केन्द्रीय विद्यालय क्र० 1, ऊधमपुर (ज० व क०)

KENDRIYA VIDYALAYA No. 1, UDHAMPUR (J&K)

Website: https://no1udhampur.kvs.ac.in/ e-mail: prkv1udh@gmail.com

विद्यालय पत्रिका

2019-20

केन्द्रीय विद्यालय संगठन/Kendriya Vidyalaya Sangathan
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
Under Ministry of Education, Govt. of India
क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू/Regional Office,Jammu
राजकीय चिकित्सालय मार्ग /Govt. Hospital Road
गांधी नगर, जामू -180004/Gandhi Nagar,jammu-180004

सन्देश

मेरे लिए यह अपार हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, उधमपुर वर्ष 2019-20 हेतु अपने विद्यालय के लिए पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है |

वास्तव में किसी भी विद्यालय की विद्यालय पत्रिका वह सशक्त माध्यम होती है, जो अबोध मानस की सहज अभिव्यक्ति को एक ऐसा रचनात्मक पटल उपलब्ध कराने का उचित प्रयास करती है, जिसके द्वारा नवोदित रचनाकारों के व्यक्तित्व को विविधरूपों की छवि प्रदान होती है। ज्ञान, संयम, सेवा एवं संस्कार की शिक्षा से ही मानव की शिक्षा पूर्ण होती है।

इस पत्रिका के माध्यम से मैं यह संदेश देना चाहता हूँ कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के संक्रमण से शिक्षा जगत पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है और प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण-विधि में भी बाधा उत्पन्न हुई है, परंतु मुझे अपने विद्यार्थियों पर पूर्ण विश्वास है कि वह इस चुनौती का सामना अत्यंत प्रभावी शैली से करते हुए ऑनलाइन माध्यम की शिक्षण विधि द्वारा या अन्य किसी प्रकार की अप्रत्यक्ष रूप से विद्यालय के शिक्षकों से जुड़कर अपनी शैक्षिक योग्यताओं को परिपूर्ण करते रहेंगे।

पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामनाओं सहित विद्यार्थियों, अध्यापकों व प्राचार्य के अथक प्रयास हेतु बधाई देते हुए उनके सफल और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।

डॉ डी मंजूनाथ,
उपायुक्त

ब्रिगेडियर राजेन्द्र राय, एस एम

उप जनरल अफसर कमांडिंग

Brig Rajendra Rai, SM

Deputy General Officer Commanding

मुख्यालय 71 उप क्षेत्र

पिन - 908671

द्वारा 56 सेना डाक घर

HQ 71 SUB AREA

PIN- 908671

C/o 56 APO

MESSAGE

1. I wish to convey my heartiest felicitations to Kendriya Vidyalaya No. 1, Udhampur for bringing out its annual edition of "Vidyalaya Patrika" 2019-20.

2. Kendriya Vidyalaya No. 1, Udhampur stands as a symbol of all-around excellence. Having traversed a long journey of successful academic pursuit, the school has set benchmark among the Kendriya Vidyalaya fraternity by imparting quality education and continues to strive for success in all spheres.

3. I extend my felicitations to the management, Principal, Staff and Students on their excellent performance reflected in the magazine and wish the institution a bright future ahead.

"God Bless"

प्राचार्य की कलम से

वद्यालय पत्रिका **2019-20** का वा र्षक अंक आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष म श्रत गर्वानुभूति हो रही है | यह वद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शक्षा देने के साथ-साथ शारिरिक स्तर पर खेल एवं पाठ्य सहगामी क्रयाओ में श्रेष्ठता के साथ निरन्तर उच्चतम मानक स्था पत करता है | संस्था प्रमुख होने के कारण वद्या र्थयों के जीवन वकास के सभी पक्षों की उन्नति तथा उच्च व्यक्तित्व व राष्ट्र चरित्र का निर्माण करना मेरा प्रथम उतरदायित्व है |

यह वद्यालय पूर्ण रूप से सृजनात्मकता, नवाचार व सतत् वकास में वश्वास रखता है | शक्षा केवल वद्या र्थयों में मस्तिष्क को ज्ञान से भरना ही नहीं है, वरन शक्षा तो उसे जीने की कला सखाना है जिससे वो अपने जीवन वकास का मार्ग प्रशस्त कर सके | प्रत्येक वद्यार्थी में कोई न कोई क्षमता व प्रतिभा होती है शक्षक एक कुशल मूर्तिकार की भांति उसे तराश कर उसकी प्रतिभाओ को उभारता है | यह पत्रिका वद्या र्थयों के नवीन वचारों की कहानी, लेख, क वता आदि में अ भव्यक्ति को व्यक्त करती है | वर्ष भर में निष्पादित कार्यो व गति व धयों का सच्चा दर्पण है ये पत्रिका | यही वद्यार्थी भ वष्य में डॉक्टर, इंजिनियर, वैज्ञानिक, व साहित्यकार बनेंगे | इन्हीं के नन्हे पंखो को उडान देती है ये पत्रिका |

मै उपायुक्त, केन्द्रीय वद्यालय संगठन, जम्मू संभाग और अध्यक्ष, वद्यालय प्रबंध स मति का अंतर्मन से धन्यवाद ज्ञा पत करता हूँ जिन्होंने अपने संदेशों द्वारा हमारा मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन कया |

मै वद्यालय के अनुभवी व कर्मठ शक्षको, कर्मचारियों, वद्या र्थयों व संपादक मंडल के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ जिनके अथक् प्रयासों से पत्रिका की सफलतापूर्वक प्रका शत कया जा रहा है |

शुभकामनाओ सहित

सुमित मेहरा
प्राचार्य

सम्पादक की कलम से

जैसी हमने पायी दुनिया, आओ इससे बेहतर छोड़ें |शुचि-सुंदरतम इसे बनाने से मुँह अपना कभी न मोड़ें ||साहित्य व रचनाधर्मिता से इस संसार को सुंदर बनाया जा सकता है | "विद्यालय पत्रिका" के प्रस्तुत अंक में विद्यालय के रचनाकारों ने रचनाधर्मिता के उद्देश्यों को अपने रचनात्मक सृजन से प्राप्त करने का सार्थक प्रयास किया है | विद्यालय के रचनाकारों ने उत्साह दिखाते हुए विविध विषयों व विधाओं पर हिंदी,अंग्रेज़ी व संस्कृत में अपनी लेखनी चलाई है | रचना-यज्ञ के इस पुनीत कार्य में जिन रचनाकारों ने आहूति के रूप में अपनी रचना प्रकाशनार्थ दी है वे साधुवाद के पात्र हैं |

मैं विद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य श्री सुमित मैहरा का आभारी हूँ, जिनके कुशल मार्गदर्शन में "विद्यालय पत्रिका" 2019-20 को साकार रूप दिया जा सका | मैं सम्पादक-मंडल के सभी सदस्यों का आभारी हूँ, जिनके सार्थक व निरंतर प्रयासों से यह संभव हो सका |

साथ ही मैं सम्पूर्ण विद्यालय परिवार का भी आभारी हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका प्रकाशन में अपना अमूल्य योगदान दिया | आशा है "विद्यालय पत्रिका" के प्रस्तुत अंक द्वारा हम मानव-मष्तिष्क को परिष्कृत करने के इस प्रयास में सफल हो सकेंगें |

भविष्य में अनुभूतियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ ....

संजय कुमार
स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

<u>पाठ्यसहगामी क्रियाकलाप</u>
<u>CO-CURRICULAR ACTIVITIES 2019-20</u>

सदन बैठक/HOUSE MEETING

महात्मा गाँधी प्रश्नोत्तरी/MAHATMA GANDHI QUIZ

गुड गवर्नेंस दिवस/GOOD GOVERNANCE DAY

क्रिसमस/CHRISTMAS

हिंदी भाषण / HINDI BHASHAN

अंग्रेजी वाद-विवाद / ENGLISH DEBATE

निबंध प्रतियोगिता (महात्मा गाँधी)/ ESSAY WRITING

राष्ट्रीय एकता दिवस / RAASHTRIY EKTA DIWAS

नुक्कड़ नाटक/SKIT

एकता दौड़/RUN FOR UNITY

वार्षिकोत्सव/ANNUAL DAY CELEBRATION

वार्षिकोत्सव/ANNUAL DAY CELEBRATION

सामूहिक भोज

स्वच्छता रैली

सदन बैठक/HOUSE MEETING

सदन बैठक/HOUSE MEETING

स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान

बाल मेला

संविधान दिवस शपथ

परीक्षा पे चर्चा

शैक्षणिक भ्रमण

EDUCATIONAL EXCURSION 2019-20

पदनाम वितरण/INVESTITURE CEREMONY

पदनाम वितरण/INVESTITURE CEREMONY

पौधारोपण/PLANTATION DRIVE

Garbage free India

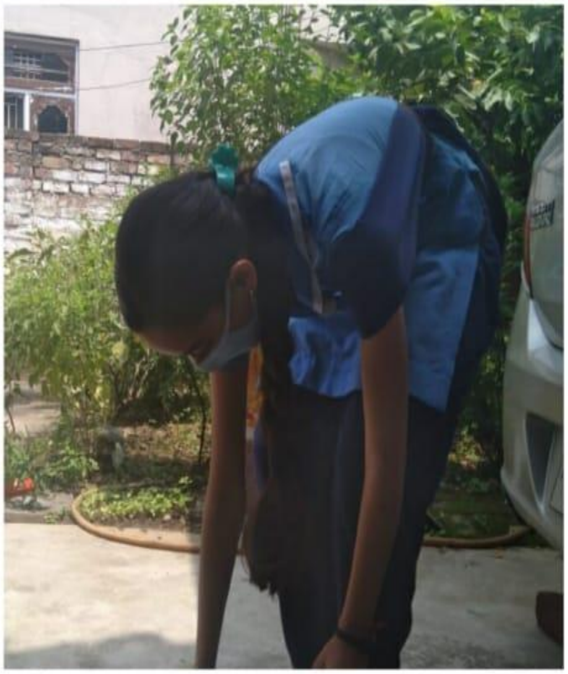

Plantation drive kendriya vidyalaya No.1 Udhampur

We are united also during these hard times

EDITORIAL BOARD

Chief Patron	Dr. D. Manjunath	Deputy Commissioner
	KVS R.O. JAMMU	
Patron	Mr. Sumit Mehra	Principal
Chief Editor	Mr. Sanjay Kumar	PGT (Hindi)

EDITORS

HINDI SECTION

Mr. Sanjay Kumar	PGT (Hindi)
Mrs. Sudesh Kohli	PRT
Ms. Piya Gotra	Student Editor (Class XII B)

ENGLISH SECTION

Mrs. Madhu Bala	PGT (English)
Mrs. Niharika	PRT
Ms. Tanvi Sharma	Student Editor (Class XII D)

SANSKRIT SECTION

Mrs. Poonam Yadav	TGT (Sanskrit)
Mrs. Seema Rani	TGT (Sanskrit)

COMPUTERS (EDITING & FORMATTING)

Ms. Neha Yadav	PGT (Computer Science)

प्राथमिक विभाग

सीएमपी का मतलब प्राथमिक कक्षाओं के लिए सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम है। शिक्षा में गुणवत्ता ,छात्रों के लिए सर्वांगीण विकास और खेल-खेल में सीखने पर ज़ोर दिया जाता है और शिक्षकों को एक उत्पादक गतिविधि सीखने के लिए सुविधा प्रदान की जाती है |जहाँ ज्ञान का निर्माण किया जाता है । सीएमपी में बहुत सारे ऐसे बिंदु हैं, जिन्हें हम शिक्षक छात्रों, अभिभावकों, प्राचार्य और केवीएस की उम्मीदों पर खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। जिन दिशा निर्देशों को हम अपने योग्य प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्राप्त करते हैं वो निम्नानुसार हैं-

कुछ विशेष दिनों और घटनाओं का उत्सव, दादा-दादी दिवस, बालमेला, सामूहिक भोज ,मूवी शो, प्रधानाचार्यों और मुख्य अधयापकों की बैठक , छात्रों की चिकित्सा जाँच, छात्र परिषद का गठन और पहली कक्षा के विद्यार्थियों का स्वागत करना।

सीसीए और खेल गतिविधियाँ छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्राथमिक विभाग में सहगामी-क्रियाएँ वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गईं |माहवार सभी कार्यक्रमों का आयोजन हुआ | सदनवार सभी प्रतियोगिताओं जैसे प्रदर्शनी-पट, चित्रकला, कहानी सुनाना, सुलेख, फैंसी ड्रैस, समूहगान, समूह नृत्य, प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ, सामूहिक भोज आदि का आयोजन किया गया व पुरस्कार वितरित किये गए |

इसके अतिरिक्त विद्यालय में ग्रैंड पैरेंट्स डे, बाल मेला, स्थापना दिवस, वार्षिक समारोह, का आयोजन किया गया |प्रार्थना सभा में सभी उत्सव जैसे, बैसाखी, होली, दीपावली आदि और स्वतंत्रता दिवस, एकता दिवस, शिक्षक दिवस, गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया |

खेल प्रतियोगिताएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं और अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को तदनुसार सम्मानित किया जाता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

हर वर्ष की तरह हमारे विद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत पर्व' मनाया गया |वर्ष 2019-20 में जम्मू संभाग को दिल्ली व ऑस्ट्रेलिया देश आवंटित हुआ |जिसके तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया:

1. वाद विवाद (अंग्रेजी व हिंदी)
2. अंग्रेजी वाग्मिता
3. स्पेल बी
4. हिंदी काव्य पाठ
5. संस्कृत श्लोक पाठ
6. परियोजना कार्य
7. नाट्य प्रदर्शन
8. समूह नृत्य (दिल्ली व ऑस्ट्रेलिया)
9. समूह गान (दिल्ली व ऑस्ट्रेलिया)
10. एकल गान
11. एकल नृत्य
12. एकल वादन

संकुल स्तर पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 ऊधमपुर द्वारा 3 सितम्बर 2019 को किया गया |जिसमें विद्यालय ने निम्नलिखित प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया:

1. समूह गान (दिल्ली व ऑस्ट्रेलिया)
2. हिंदी काव्य पाठ
3. एकल गान
4. एकल नृत्य
5. नाट्य प्रदर्शन
6. परियोजना
7. संस्कृत श्लोक पाठ

उपरोक्त गतिविधियों के प्रतिभागियों ने केंद्रीय विद्यालय क्र. 1 जम्मू में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' क्षेत्रीय स्तर में भाग लिया और समूह गान (दिल्ली), नाट्य प्रदर्शन, एकल गान व एकल नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया |इन विद्यार्थियों ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' में उत्साहपूर्वक भाग लिया और बाद में शैक्षिक भ्रमण के लिए चेन्नई भी गए |विद्यालय के विद्यार्थी रघुजीत सिंह, कक्षा 12 (एकल गान प्रतिभागी) को दो बार राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुति देने का अवसर प्राप्त हुआ है |

खेल विभाग रिपोर्ट

केंद्रीय विद्यालय नं .१ उधमपुर जम्मू क्षेत्र में सबसे बड़े विद्यालय में से एक है। खेल विभाग में एक संपत्ति के रूप में विद्यालय में 02 बास्केटबॉल कोर्ट (आउटडोर), एक बैडमिंटन कोर्ट (आउटडोर), एक वॉलीबॉल कोर्ट और दो कबड्डी कोर्ट जूनियर और सीनियर बॉयज / गर्ल्स के लिए हैं। सत्र 2018-19 में, 39 छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया था, जिसमें एक छात्र को जूडो में स्वर्ण पदक और 09 छात्रों को बैडमिंटन, ताइक्वांडो और कबड्डी (लड़कियों) में कांस्य पदक मिला और दो छात्रों को जूडो और बैडमिंटन में एसजीएफआई स्तर की प्रतियोगिता के लिए चुना गया।

प्राचार्य श्री सुमित मैहरा के मार्गदर्शन और निर्देशन के अनुसार, खेल विभाग ने सत्र 2019-20 के लिए सभी खेल गतिविधियों को समय पर पूरा किया। सत्र 2019-20 के लिए कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स, ताइक्वांडो, बैडमिंटन जैसे विभिन्न खेलों के लिए इंटर हाउस प्रतियोगिता और ट्रायल्स के.वी.एस खेल के तौर-तरीकों के अनुसार 15 दिसंबर 2018 से पहले पूरे किए गए ।

क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में विभिन्न खेलों और खेल स्पर्धाओं में 104 छात्रों ने भाग लिया और क्षेत्रीय स्तर पर 54 पदक जीते और 22 छात्रों ने के.वी.एस राष्ट्रीय स्तर पर अपना चयन करवाया जिनमे कबड्डी (04 बॉयज़), एथलेटिक्स (03 बॉयज़), बैडमिंटन (03 बॉयज़), ताइक्वांडो (03 लड़कियां), खो-खो (04 लड़कियां), शतरंज (01 लड़की) और वालीबॉल (05 लड़के) थे । के.वी.एस राष्ट्रीय स्तर पर ताइक्वांडो में मान्या शर्मा ने रजत और काजल बाल ने कांस्य पदक जीता।

2019-20 में, क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू ने कबड्डी, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल बॉयज़ अंडर - 14/17 के लिए क्षेत्रीय स्पोर्ट्स मीट आयोजित करने का कर्तव्य सौंपा, और विद्यालय ने बड़े आतिथ्य के साथ टूर्नामेंट का संचालन किया। कबड्डी बॉयज अंडर -17 के लिए राष्ट्रीय स्तर का शिविर भी के.वी.एस नेशनल स्पोर्ट्स मीट से पहले सात दिनों तक स्कूल द्वारा आयोजित किया गया।

टर्म- I में 2434 और टर्म- II में 2473 छात्रों के लिए SBSB की गतिविधियाँ समय पर और अच्छी तरह से संचालित की गईं।
विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस भी आयोजित किया गया जिनमे विजेताओं को प्राचार्य श्री सुमित मेहरा द्वारा सम्मानित किया गया । सत्र 2020-21 के लिए इंटर हाउस प्रतियोगिता के.वी.एस निर्देशों के अनुसार 15 दिसंबर, 2019 से पहले अच्छी तरह से पूरी हो गई थी।

पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप विभाग

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्य क्रियाओं के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों का पाठ्यक्रम में समावेश किया गया है |पाठ्य सहगामी क्रियाकलापों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विद्यालय की पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप समिति कटिबद्ध है |

प्रतिवर्ष की भाँति इस सत्र में भी विद्यालय की पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप समिति ने विभिन्न प्रतियोगिताओं,उत्सवों,कार्यक्रमों आदि की माहवार रूपरेखा न केवल तैयार की है बल्कि उसे कार्यरूप भी प्रदान किया है |इसमें व्यक्तिगत और सामूहिक क्रियाकलाप दोनों शामिल हैं |
सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों को चार सदनों में विभक्त किया गया है - शिवाजी, टैगोर, अशोक व रमन |

इस सत्र में अभी तक कई प्रतियोगिताओं का आयोजन सदनवार व वर्गानुसार किया गया जिसमें सभी सदनों के विभिन्न प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया |अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता कक्षावार आयोजित की गई |हिंदी व अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोक प्रतियोगिता व अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन सदनवार किया गया |इसी क्रम में कक्षा व सदन प्रदर्शनपट्ट- -सज्जा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई |

प्रतिदिन की प्रार्थना-सभा कक्षावार आयोजित की जाती है |प्रति गुरूवार प्रार्थना-सभा संस्कृत में आयोजित की जाती है जबकि सोमवार से बुधवार तक हिंदी में और शुक्रवार और शनिवार को अंग्रेजी में प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है |

मई माह में विद्यालय का वार्षिकोत्सव अभूतपूर्व सफलता के साथ आयोजित किया गया |जून माह में अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई |इसी प्रकार जुलाई माह में हिंदी व अंग्रेजी भाषण,संस्कृत श्लोक व अंग्रेजी कविता पाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई |

अगस्त माह में स्वतंत्रता दिवस के अंतर्गत विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जाग्रत करने के उद्देश्य से के.वि.सं. के निर्देशानुसार विद्यार्थियों से ग्रीटिंग कार्ड, राखियाँ, सैनिकों के नाम पत्र, कवितायें और अन्य देशभक्तिपरक रचना कार्य करवाए गए और उन्हें 71 उपक्षेत्र में प्राचार्य महोदय द्वारा दिया हस्तान्तरित किया गया ताकि वह सन्देश सीमा पर तैनात सैनिकों तक पहुँच सके |संस्कृत सप्ताह का आयोजन भी उत्साहपूर्वक किया गया |

विभिन महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन भी समयानुसार और पूर्ण उत्साह के साथ किया जा रहा है |इसी प्रकार छात्र-परिषद् का चयन कर उनके पदनाम वितरण को भी समारोहपूर्वक अगस्त माह में किया गया |

हिंदी पखवाड़े का आयोजन भी विद्यालय में किया जा रहा है जिसके अंतर्गत हिंदी प्रदर्शनी का आयोजन मुख्य आकर्षण है |के.वि.संगठन के स्थापना दिवस पर समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई

व उत्साहपूर्वक मनाया गया |राष्ट्रीय एकता दिवस व सतर्कता जागरूकता सप्ताह सहित सभी महत्त्वपूर्ण दिवसों का आयोजन भी विद्यालय में किया गया जिनसे जागरूकता उत्पन्न करने में काफी मदद मिली |

अन्य सभी क्रियाकलाप / प्रतियोगिताएं वार्षिक-योजना के अनुसार आयोजित की गई और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया |

राजभाषा विभाग

विद्यालय का राजभाषा विभाग निरंतर राजभाषा हिंदी के उत्थान में प्रयत्नशील है |इसके अंतर्गत वर्ष के आरम्भ में ही राजभाषा जाँच-बिंदु तय किए गए |प्रत्येक तिमाही में सदस्यों की एक बैठक का आयोजन किया गया |प्रत्येक तिमाही में कर्मचारियों की एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसके फलस्वरूप कर्मचारी कई महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत हो सके |सत्र 2019-20 में विद्यालय का पत्राचार प्रतिशत भी प्रशंसनीय रहा |प्रत्येक छमाही में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित बैठकों में भी विद्यालय की उपस्थिति रही |नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उधमपुर द्वारा विद्यालय को श्रेष्ठ कार्य के लिए राजभाषा चलशील्ड से भी सम्मानित किया |विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक श्री संजय कुमार ने नराकास, उधमपुर द्वारा आयोजित कविता-लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया |

स्काउट-गाइड

स्काउटिंग मानव जाति की सेवा और प्रकृति के संरक्षण के लिए स्वैच्छिक आंदोलन है। स्काउटिंग गतिविधियों से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद मिलती है । इस आंदोलन में अधिकतम संख्या में छात्र भाग लेते हैं।

के वी नंबर 1, उधमपुर को स्काउट एंड गाइड के लिए "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा विरासत के राजदूत के रूप में भी चुना जा चुका है जिसके अंतर्गत उनके द्वारा किरमची-मानसर में पांडव मंदिर का दौरा किया गया ।

विद्यालय में स्काउट-गाइड की संख्या 500 है जिसमें स्काउट-136, गाइड्स - 63, कब्स - 181, बुलबुल - 120 हैं |इसके अतिरिक्त 07 स्काउट मास्टर, 04 गाइड कैप्टेन, 02 फ्लॉक लीडर और 05 कब मास्टर हैं |

10 स्काउट्स व 09 गाइड्स ने के वि नगरोटा में आयोजित राज्य पुरस्कार परीक्षण शिविर में भाग लिया व उत्तीर्ण हुए और 14 स्काउट्स ने के.वि कठुआ और 11 गाइड्स ने के वी बनतलाब में तृतीया सोपान परीक्षण शिविर में भाग लिया और उत्तीर्ण हुए |

दिसम्बर माह में 'शांति के दूत' कार्यक्रम में श्रीमती निहारिका द्वारा के.वि. कठुआ में भाग लिया गया और विद्यालय में संबंधित शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया |इसी कार्यक्रम के अंतर्गत एक कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्काउट्स- गाइड्स और कब्स-बुलबुल ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया |

07 नवम्बर 2019 को विद्यालय में स्काउट-गाइड स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया |

22 फ़रवरी 2020 को विद्यालय में बेडेन पॉवेल दिवस / संस्थापक दिवस / अंतर्राष्ट्रीय विचार दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें के.वी. 1 उधमपुर और के.वी..2 उधमपुर ने भाग लिया । इस मौके पर दिवस कैंप का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया |
श्री संजय कोहली, स्काउट मास्टर, को वर्ष 2019-20 के लिए डिवीज़नल अवार्ड (स्काउट-गाइड) केंद्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू डिवीज़न प्रदान किया गया |

मार्गदर्शन और परामर्श

मार्गदर्शन और परामर्श कार्यक्रम के तहत, एक अनुसूची का पालन किया गया, जिसके तहत प्रधानाचार्य, मार्गदर्शन शिक्षक और अन्य विशेषज्ञों द्वारा छात्रों के लिए सुबह की सभा, कक्षा वार के दौरान कई सत्र और वार्ता आयोजित की गई।   विद्यालय में 'क्रोध मुक्त क्षेत्र' के संदर्भ में सभी कक्षाओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों को क्रोध से मुक्त रहने के उपाय बताए गए |काउंसलिंग सत्र में माता-पिता / शिक्षकों को भी आमंत्रित किया गया था। करियर मार्गदर्शन में सेना, वायु सेना और अन्य प्रतिष्ठानों, अन्य प्रबंधन पाठ्यक्रम आदि के लिए ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के छात्रों द्वारा विशेष सत्र आयोजित किए गए थे।

लिंग संवेदीकरण

लिंग संवेदीकरण के अंतर्गत विद्यालय में विभिन्न क्रिया -कलापों का आयोजन नियमित रूप से किया गया |लैंगिक विषमताओं व उनकी भूमिकाओं, लैंगिक चुनौतियों व घरेलू हिंसाओं जैसे विषयों पर वार्ता का आयोजन माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए किया गया |अभिभावक-शिक्षक बैठकों में प्राचार्य महोदय श्री सुमित मेहरा द्वारा अभिभावकों को 'लैंगिक शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका" विषय पर जागृत किया गया | विद्यालय में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग सत्र का भी आयोजन किया गया |लड़कियों को पुस्तकालय में सुश्री रोज़ी धीमान व श्रीमती सीनियामोल द्वारा संबोधित किया गया और लड़कों को एक्टिविटी हॉल में श्री संजय कोहली व श्री रमण कुमार द्वारा संबोधित किया गया |
कमांड अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम ने एच आई वी / एड्स, स्वाइन फ्लू और स्वास्थ्य और स्वच्छता पर बातचीत की । साथ ही विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। एल्बेंडाजोल की गोलियां कॉम्ड द्वारा प्रदान किए गए छात्रों के बीच वितरित की गई ।

पुस्तकालय

(सत्र 2019-20)

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 का पुस्तकालय विद्यालय भवन के मुख्य केन्द्रीय स्थल पर स्थित है| पुस्तकालय का कक्ष वातानुकूलित है एवं इसमें बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियों की व्यवस्था है| इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की लगभग 15000 पुस्तकों का संग्रह है| इसके साथ ही अलग अलग विषयों की लगभग 40 पत्रिकायें एवं 10 समाचार पत्र भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं| इस पुस्तकालय की सभी पुस्तकें ई - ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर अंकित हैं| पुस्तकों का लेन देन ई - ग्रंथालय के माध्यम से ही किया जाता है|

बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु सत्र 2019-20 में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें पठन दिवस - पठन माह, पुस्तक समीक्षा, पुस्तक प्रदर्शनियाँ, तीन दिवसीय पुस्तक मेला, कहानी लेखन, क्विज़ प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं| पुस्तकालय समिति एवं रीडर्स क्लब के सदस्यों द्वारा भी पुस्तकालय सेवा विस्तार के लिए हर संभव प्रयास किया गया| पुस्तकालय गतिविधियों में भाग लेने के लिए विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया| पुस्तकालय की सेवाओं को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तक पहुँचाने के लिए पुस्तकाल्याध्यक्ष के रूप में रमन कुमार सदैव प्रयासरत हैं|

REPORT ON VARIOUS SCIENCE ACTIVITIES CONDUCTED IN VIDYALAYA DURING THE SESSION 2019-2020

Kendriya Vidyalaya Sangathan has always strived to indulge its students and teachers in several pioneering and progressive activities throughout the session to provide platform for budding scientists to exhibit their skills and innovative ideas. Kendriya Vidyalaya No.1, Udhampur has been a frontier in participation of its students under several science exhibitions, quizzes and competitions under the wise supervision of respected Principal Sh. Sumit Mehra and expert guidance of Mr. Vikramaditya (PGT Physics), Head of Science Department in Vidyalaya supported by a team of hard working teachers including Ms. Navjot Kaur (PGT Physics), Ms. Seeniamol M.V (PGT Biology), Ms.Sarita Bharadwaj (PGT Chemistry),Ms. Sushma (PGT Chemistry), Ms. Rosy Dhiman (TGT Science), Mr. Surinder Kumar (TGT Science), Ms.Renu Yadav (TGT Science) and Ms.Jyoti Gupta (TGT Science) along with highly motivated students of Vidyalaya.

A brief overview of several science activities being undertaken by Vidyalaya have been listed in the table below:

S.No.	Science Activity	School Co-ordinator	No. of students participated at Vidyalaya level	No. of students participated at regional level	Achievements
1.	47th Jawaharlal Nehru Science, Mathematics and Environment Exhibition (JNNSMEE).	Mr.Vikramaditya (PGT Physics)	The Vidyalaya level exhibition was conducted on 19-09-2019 and 50 students participated in it	The regional level exhibition was conducted at KV Bantalab, Jammu on 1-10-2019 and 12 students participated in this exhibition.	Sarthik Upadhyay of Grade 9D secured third position at regional level under the theme 'Sustainable Agricultural Practices' under the guidance of Rosy Dhiman (TGT Science)
2.	National Children Science Congress (NCSC)	Mr.Surinder Kumar	The Vidyalaya level NCSC Competition was conducted on 07-09-2019 and 55 students participated at Vidyalaya level	8 Students participated at regional level NCSC Competition held at KV Sunjuwan,Jammu on 1-11-2019.	Mayank Chobiyal of Grade 8B secured third position at regional level under the theme 'Ecosystem and ecosystem services' under the guidance of Rosy Dhiman (TGT Science)

3.	INSPIRE AWARD	Mr. Vikramaditya (PGT Physics)	The Vidyalaya level selection of entries for innovative ideas were selected in the month of November in which 30 entries were recorded.	The state level competition was held on 3-1-2020 in Udhampur.	Rushil of Grade 8B under the guidance of Rosy Dhiman(TGT Science) has been selected under state to participate at National Level competition, which is awaited.
4.	Science Promotion Orientation Test(SPOT)	Ms. Navjot Kaur	The prelim exam for same was held on 11-11-2019 where 13 students participated in it.		Binita of Grade 10B and Rishi Raj of Grade 11 under the guidance of Ms. Navjot Kaur qualified the prelims exam and got opportunity to attend virtual lectures for further preparation from eminent scientists of ISRO.
5.	Knowledge and Awareness Mapping Platform (KAMP)	Mr.Surinder Kumar	Total 74 students of Vidyalaya have been registered for KAMP exam.		

Apart from above mentioned activities several activities like Preparation of students for Programme of International Student's Assessment (PISA) ,development of Creative and Critical Thinking Skills (CCT) and Joyful learning Activities have also been undertaken by subject teachers to develop Scientific Temperament among students along with planning for science activities scheduled for the session 2020-2021.

K.V. No.1, UDHAMPUR

NATIONAL CHIDREN SCIENCE CONGRESS, VIDYALAYA LEVEL

47th JAWAHARLAL NEHRU NATIONAL SCIENCE,SOCIAL SCIENCE, MATHEMATICS AND ENVIRONMENT EXHIBITION (JNSSMEE), VIDYALAYA LEVEL

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN,
“ 47TH JAWAHARLAL NEHRU SCIENCE EXHIBITION ”
VIDYA
VENUE :- K. V.

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN,
" 47TH JAWAHARLAL NEHRU
SCIENCE EXHIBITION "

VIDYALAYA IN NEWS

केवी के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का किया कायल

दैनिक जागरण

कार्यक्रम में भाग लेते हुए व शांति का संदेश देते स्काउट्स एंड गाइड्स के बच्चे। (कुंडल)

के.वि.क्रं.-1 में आयोजित किया मैसेंजर ऑफ पीस कार्यक्रम

स्काउट्स एंड गाइड्स को शांति के दूत बनकर समाज को जागृत करने की दी प्रेरणा

पंजाब केसरी - 8-12-2019

लार्ड बेडेन पावेल का जन्म दिवस विचार दिवस के रूप में मनाया

पंजाब केसरी 23-2-202_

केन्द्रीय विद्यालय में लार्ड बेडेन पावेल का जन्म दिवस मनाया

दैनिक सवेरा 23-2-2020

बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां पेश कर सभी का मन मोहा

जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयां आएं पर सच्चाई का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए

पंजाब केसरी 22-12-2019

आधुनिक युग में चैतन्य जीवन के लिए शस्त्र हैं पुस्तकें : मेहरा

ऊधमपुर : केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक मेला संपन्न हो गया। दो दिवसीय इस मेले में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने हिस्सा लेकर प्रदर्शित पुस्तकों को देखा। सोमवार को इस मेले का शुभारंभ स्कूल के प्रिंसिपल सुमित मेहरा ने किया था। मंगलवार को आयोजित समारोह में भी वह विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पुस्तकों का महत्व बताते हुए इन्हें सच्चा मित्र बताया। उन्होंने कहा कि विद्या को यद्यपि शास्त्र की मान्यता दी जाती है, परंतु आधुनिक युग में पुस्तकें चैतन्य जीवन के लिए शस्त्र हैं। साथ ही यह जड़ जीवन के बचाव की ढाल है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पुस्तकें पढ़ने को प्रेरित किया। विद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने गहरी रुचि दिखाई। उमेले में प्रदर्शित करने के लिए पुस्तकों के चयन संजय कोहली, लखबीर सिंह, रवि कांत, वीरजी कौल, मनोज कुमार, रोजी धीमान, नवजोत, रेणुका राणा ने किया। (जास)

केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में आयोजित पुस्तक मेले में पुस्तकें देखते विद्यार्थी • जागरण

अमर उजाला 20-11-2019

छात्रों को बताई पुस्तकों की महत्ता

केन्द्रीय विद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक मेला आयोजित

उधमपुर। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक एक में दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। जिसमें स्टाल लगाकर विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित साहित्यक व विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। इसका उद्घाटन स्कूल प्राध्यापक सुमित मैहरा ने किया।

कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालय अध्यक्ष रमन कुमार ने विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों के बारे में जानकारी सांझा की। जिसके बाद प्राध्यापक सुमित मैहरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भी पुस्तकों की महत्ता यथावत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विद्या को शास्त्रों में मान्यता दी जाती है लेकिन आधुनिक युग में पुस्तकें चैतन्य जीवन जीने के लिए शस्त्र हैं साथ ही जड़ जीवन के बचाव की ढाल भी हैं। वहीं पुस्तक मेले में एक ओर जहां छात्रों ने अपनी रुचि दिखाई तो वहीं दूसरी ओर शिक्षकों ने अपने लिए और पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित ज्ञान, विज्ञान, भाषा, गणित और नैतिक मूल्यों पर आधारित पुस्तकों का चयन किया। इस अवसर पर संजय कोहली, लखबीर सिंह, रविकांत, वीरजी कौल, मनोज कुमार, रोजी धीमान, नवजोत, रेणुका राणा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 20-11-2019

प्रदर्शनी का उद्घाटन करते प्राचार्य व प्रदर्शनी में लगाई गई पुस्तकों के स्टाल पर पुस्तकों को देखते विद्यार्थी। (छाया)

विभिन्न क्षेत्रों को छूती पुस्तकों की दी जानकारी

ऊधमपुर, 19 नवम्बर (सौरभ): केंद्रीय विद्यालय नं.-1, ऊधमपुर के प्रांगण में 2 दिवसीय पुस्तक मेला करवाया गया। मेले का उद्घाटन प्राचार्य सुमित मेहरा द्वारा किया गया। रमन कुमार पुस्तकालय अध्यक्ष द्वारा मुख्यातिथि व विक्रमादित्य वरिष्ठ अध्यापक, मीनाक्षी शर्मा का स्वागत किया गया। रमन कुमार द्वारा पुस्तकों की प्रदर्शनी में विभिन्न क्षेत्रों को छूती हुई पुस्तकों के विवरण की जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने कहा कि पुस्तकों की महत्ता यथावत बनी हुई है। विद्या को यद्यपि शास्त्र की मान्यता दी जाती है परंतु आधुनिक युग में पुस्तकें चैतन्य जीवन जीने के लिए शस्त्र हैं, साथ ही जड़ जीवन के बचाव की ढाल भी हैं।

विद्यालय के छात्रों ने जहां प्रदर्शनी में रुचि दिखाई, वहीं अपने और पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित पुस्तकों का चयन संजय कोहली, लखबीर सिंह, रविकांत, वीर जी कौल, मनोज कुमार, रोजी धीमान, नवजोत, रेणुका राणा आदि अध्यापकों ने किया।

मेले के समापन के दौरान रमन कुमार द्वारा प्राचार्य, सभी विद्यार्थियों, सभी शिक्षकों का आभार जताया गया।

पंजाब केसरी 20-11-2019

केवि में वार्षिक खेलकूद दिवस मनाया

अमर उजाला ब्यूरो

विभिन्न प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

उधमपुर। केंद्रीय विद्यालय एक में वार्षिक खेलकूद दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जम्मू कश्मीर वालीबॉल एसोसिएशन के वरिष्ठ उपप्रधान और जिला वालीबाल एसोसिएशन के प्रधान राजगुरु मुख्यातिथि थे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रों ने मार्च पास्ट करते हुए आसमान की ओर रंगबिरंगे गुब्बारे छोड़ कर किया गया। इसके बाद मुख्यातिथि ने कहा कि छात्रों को खेल को खेल भावना के साथ खेले जाने की प्रेरणा दी। इसके अलावा विद्यालय प्राध्यापक सुमित मेहरा ने कहा कि खेलकूद भी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अंग है। जिससे छात्रों का शारीरिक और बौद्धिक विकास होता है। इस अवसर पर खिलाड़ियों के शपथ कार्यक्रम के साथ ही गीत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद छात्रों के बीच थ्री लेग रेस, 100 मीटर की दौड़, 100 मीटर की रिले रेस, बोरी रेस, के अलावा छात्रों और शिक्षकों के बीच टग आफ वार, तथा म्यूजिकल चेयर की प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गईं। इस अवसर पर स्कूल के खेल प्रभारी राजीव सिंह सहित गुरमीत कौर, रविकांत, सुरिंद्र कुमार, श्वेता, संजय कुमार, सुखविंदर वाली व अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अमर उजाला 23-11-2019

बोरी रेस में भाग लेते खिलाड़ी, विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण। (कुंडल)

कैंद्रीय विद्यालय क्रं.-1 में वार्षिक खेलकूद मुकाबले करवाए

खेल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने किया बढ़िया प्रदर्शन

पंजाब केसरी 23-11-2019

[illegible] केंद्रीय विद्यालय एक में वार्षिक खेल समारोह का आयोजन

विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

पंजाब [illegible]

दैनिक जागरण 23-11-2019

CBSE RESULT ANALYSIS

SESSION:- 2018-19

CLASS – XII

List of Toppers

School Toppers					
S. No.	Roll No.	Name	Marks Scored	%age	Stream
1	2793546	VASUNDRA MAHAJAN	483	96.6	Commerce
2	2793620	RITURAJ	477	95.4	Humanities
3	2793533	KANISH GUPTA	472	94.4	Science

List of Toppers - Stream Wise				
Science Streams				
S. No.	Roll No.	Name	Marks Scored	%age
1	2793533	KANISH GUPTA	472	94.4
2	2793531	ARYAVEER SINGH	468	93.6
3	2793489	MANJEET SINGH	462	92.4
Commerce Streams				
S. No.	Roll No.	Name	Marks Scored	%age
1	2793546	VASUNDRA MAHAJAN	483	96.6
2	2793560	KASHISH JANDIAL	465	93
3	2793570	SARABJEET KUMAR	423	84.6

Humanities Streams				
S. No.	Roll No.	Name	Marks Scored	%age
1	2793620	RITURAJ	477	95.4
2	2793591	PRIYANKA	458	91.6
3	2793611	JAHANVI SHARMA	457	91.4
	2793615	RIYA MAHAJAN	457	91.4

OVERALL RESULT - XII AISSCE-2018-19

Appeared	Passed	Fail and Comp	Abst	Pass %	PI
172	170	2	3	98.84	64.9

Last Three Years Result Comparison

Class-XII

YEAR	Total Students Appeared	Students Passed	Pass%	P.I.
2016-17	179	168	93.85	49.48
2017-18	169	168	99.41	62.17
2018-19	172	170	98.84	64.88

Class – X

List of School Toppers				
S. No.	Roll No.	Name	Marks Scored	%age
1	2347654	SRUTI PRAGYAN MISRA	484	96.8
2	2347626	MOUTOUSI RAHAMAN	483	96.6
	2347698	NAVDEEP CHOBHIYAL	483	96.6

3	2347629	KARAN PARGAL	474	94.8
	2347630	AKSHAY SARSWAT	474	94.8
4	2347665	KAUSHALENDRA PRATAP SINGH	473	94.6
5	2347596	RISHI RAJ	470	94
6	2347653	SNIGDHA MAHAJAN	469	93.8
7	2347599	ASHISH AGNIHOTRI	468	93.6
	2347645	KEVIN VIJI VARUGHESE	468	93.6
8	2347656	SUNEHA BHARTI	467	93.4
9	2347677	KANAK TIWARI	463	92.6
10	2347620	PRACHI SHARMA	462	92.4

Last Three Years Result Comparison

Class-X

YEAR	Total Students Appeared	Students Passed	Pass%	P.I.
2016-17	181	181	100	79.17
2017-18	158	158	100	66.01
2018-19	124	124	100	70.14

<u>तुलसी के राम</u>

राम का चरित मानस में बसाकर,
राम से विनय कर पत्रिका बनाई है,
राम जी के गीतों की अवलि बनाकर,
कवित्तों को पिरोकर माला भी बनाई है |
जन-प्रश्नों को रामाज्ञा से सुलझा कर,
दोहों को मिलाकर दोहावली बनाई है,
समन्वय के भावों को रामचरित बताकर,
गीतावली में पदों की श्रृंखला बनाई है |
कविता में राम जी का नाम लिखकर,
विश्व कल्याण की योजना बनाई है,
राम जी के नाम को खुद ही पहचान कर,
लोकमंगल की भावना आपने बताई है |
राम के चरित्र को इतर समझकर,
इत्र की खुशबू सर्वत्र फैलाई है,
राम के नाम को गूढ़ समझ कर,
अवधी और ब्रज में शान रचाई है |
लोक भाषा में राम महिमा को लिखकर,
लोक और शास्त्र की जोड़ी भी बनाई है,
भावनाओं को लोक से मिलाकर,
उभय मुखी प्रक्रिया आपने अपनाई है |
जीवन जगत के प्रसंगों को लिखकर,
महाकवि आपने कविता बनाई है,
राम के भावों को लोक में बता कर,
धन्य जीवन की युक्ति अपनाई है |

संजय कुमार
स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी

करियर काउंसलिंग का महत्व

दसवीं की परीक्षा के बाद विद्यार्थी व अभिभावक बहुत परेशान होते हैं की भविष्य में किस विषय को चुना जाए |विज्ञान, आर्ट्स या फिर कॉमर्स |इसी परेशानी को दूर करने के लिए करियर काउंसलिंग की आवश्यकता महसूस की जाती है |वर्तमान समय में करियर काउंसलिंग के महत्व को नकारा नहीं जा सकता |इसमें विद्यार्थियों की रूचि और योग्यता के अनुसार सही विषय के बारे में बताया जाता है कि कौन सा विषय विद्यार्थी के लिए बेहतर होगा |

करियर काउंसलिंग के अनुसार अभिभावकों व विद्यार्थियों को निम्नलिखित बातों का लाभ होता है :

•सही विषय चुनने का मौका मिलता है
•बहुत सारे विषयों में से सही विषय का चुनाव करने में मदद मिलती है
•मार्किट ट्रेंड का पता चलता है
•मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान होता है
•विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होता है
•अभिभावक बच्चों की समस्याओं को समझ पाते हैं
•बेहतर भविष्य की तैयारी में मदद मिलती है
•विद्यार्थियों की छुपी प्रतिभा को निखारने में मदद मिलती है
•दुविधाओं से छुटकारा मिलता है
•लक्ष्य तय करने में मदद मिलती है
•गलत करियर चुनने से बचा जा सकता है
•समय की बचत होती है
•सकारात्मक उर्जा मिलती है

अगर आप चाहते हैं की आप सही करियर का चुनाव करें तो आपको विद्यालय या जहाँ से भी आपको लगता है की उचित सलाह मिल सकती है तो बेहतर भविष्य के लिए आप इसका लाभ अवश्य उठाएँ |

संजय कोहली
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी

<u>हिंदी शिक्षण और डिजिटल अधिगम</u>

शिक्षा में बीते सालों में पढ़ने के तरीकों में बदलाव आया है |टेक्नोलॉजी ने इस बदलाव में अहम भूमिका निभाई है |डिजिटल अधिगम ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है |कक्षा में हिंदी विषय को पढ़ाने के लिए मैंने भी इसी साधन का प्रयोग किया है जिसे हम आई.सी.टी के नाम से जानते है |इसमें बच्चो को कहानी सुनाने के साथ-साथ विडियो भी दिखाया जाता है और हिंदी की कवितायेँ भी सुनाई व दिखाई जाती है |यह कार्य प्रोजेक्टर की मदद से पूरा किया जाता है |प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों को कविताएँ सुर-ताल के साथ सुनाई जाए तो वे बड़ा आनंद महसूस करते हैं और वे कहानियाँ और कविताएँ उन्हें लम्बे समय तक याद भी रहती है |पाठ में दिखाए गये चित्रों की अपेक्षा बच्चे वीडियो में बेहतर ढंग से देख पाते है और जान पाते है कहानी को |

इससे उनका श्रवण कौशल भी विकसित होता है और बच्चे कक्षा में रूचि भी लेते हैं |मैंने कक्षा पहली की हिंदी की पुस्तक रिमझिम के सभी पाठों को वीडियो में रिकॉर्ड किया है और विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर की सहायता से दिखाया भी है |बच्चे कहानी व कविताओं को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं और याद भी रख पाते हैं |

वीडियो में दिखाए गये एनीमेशन के द्वारा बच्चो की कल्पना-शक्ति का भी विकास होता है और वे इसे मजे-मजे में ही समझ भी जाते है |शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल अधिगम की यह एक सार्थक भूमिका है |

रुचिका गौतम

पी.आर.टी

वर्तनी सुधार के लिए

केन्द्रीय विद्यालय संगठन देश में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है |छात्रों में शिक्षा के लिए रुचि उत्पन्न करने के लिए तथा उनके ज्ञान में वृद्धि करने के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक अनेक नवाचार करते हैं |हिंदी भाषा शिक्षण के दौरान मुझे सबसे बड़ी एक समस्या का सामना करना पड़ा ,वो है - वर्तनी की समस्या |मैंने शिक्षण के दौरान पाया कि क्षेत्रीय प्रभाव के कारण छात्र जो बोलते हैं ,वही लिख देते हैं |जम्मू-कश्मीर में क्षेत्रीय प्रभाव के कारण छात्र - छ को श ,य को ज बोलते हैं और लिखते हैं , जैसे - छोटी को शोटी ,यम को जम आदि| साथ ही बच्चे पूरे अक्षर के स्थान पर आधे अक्षर का भी प्रयोग कर देते हैं ,जैसे - बनना को बन्ना ,धुनना को धुन्ना लिखना |इस प्रकार की अनेकों त्रुटियाँ छात्र करते हैं |शुरू में मैंने अभ्यास-पुस्तिका की जाँच के दौरान उनकी त्रुटियाँ निकालकर उन्हें ठीक करवाने का प्रयास किया |उन्हें उदाहरणों द्वारा भी समझाने का प्रयास किया | फिर भी इस समस्या का समाधान नहीं हुआ |फिर इसके लिए मैंने कक्षा में एक नवाचार किया| किसी भी पाठ को शुरू करने से पहले उसके नवीन व कठिन शब्द छात्रों को लिखवा दिए जाते |छात्रो को प्रतिदिन उन शब्दों को घर से पढ़कर आने के लिए प्रेरित किया |साथ ही सभी छात्रों से एक कम पृष्ठों वाली श्रुतलेख के लिए अलग से अभ्यास पुस्तिका मंगवाई |प्रत्येक पेज को चार हिस्सों में बँटवाया |छात्रों को निर्देश दिया कि हिंदी का कालांश शुरू होते ही अपनी श्रुतलेख की कॉपी खोलकर रखें| पठन-कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रतिदिन पाँच शब्द श्रुतलेख के लिए बोलती थी |छात्रों को अपना मूल्यांकन स्वयं करने के लिए कहा |छात्र स्वयं अपनी त्रुटियाँ निकालकर उन्हें ठीक करते थे |सप्ताह में एक बार स्वयं उनका मूल्यांकन किया |

इस प्रकार छात्रों की वर्तनी में कुछ सुधार हुआ |साथ ही उनका मौखिक अभ्यास भी करवाया |मैंने अपने अनुभव में पाया कि यदि पूरे वर्ष इस प्रकार छात्रों को अभ्यास करवाया जाए तो उनकी वर्तनी में निश्चित रूप से सुधार होगा |

श्रीमती श्वेता

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (हिंदी)

“ स्टार ऑफ़ द डे “

इस वर्ष मैंने अपनी सभी कक्षाओं में जहाँ मैं पढ़ाती हूँ (कक्षा पहली व पाँचवी) ,वहाँ मैंने एक नयी पहल शुरू की “ स्टार ऑफ़ द डे “ बनाने की |हर कक्षा में मैं प्रतिदिन दो स्टार ऑफ़ द डे चुनती हूँ (एक लड़का व एक लड़की)|स्टार ऑफ़ द डे का मतलब है वह बच्चा जिसने आज की कक्षा में सबसे उत्तम कार्य किया | चाहे वो साफ़ कार्य हो, कक्षा में उत्तर देना हो,कुछ पढ़कर दिखाना हो आदि |“ स्टार ऑफ़ द डे “ पहल शुरू करने से मेरी सभी कक्षाओं में बच्चों में अपेक्षित सुधार हुआ है |इसके माध्यम से बच्चों के अन्दर उत्सुकता होती है कि मुझे आज अच्छा कार्य करना है |विद्यार्थी हर कालांश के अंत में बच्चे मुझसे पूछते थे कि आज स्टार ऑफ़ द डे कौन है ? इस पहल के माध्यम से मैंने हर वर्ग के बच्चे में कुछ न कुछ सुधार देखा ,चाहे वो श्यामपट्ट से प्रश्न पढ़ना हो ,साफ़ कार्य करना हो आदि |इस पहल के माध्यम से बच्चे में आत्मविश्वास बढ़ा और जब पूरी कक्षा के सामने उनके लिए तालियाँ बजाई गयी ,तब उनके खिले हुए चेहरे देखकर महसूस होता है कि मैंने जो सोचा था, उस कार्य में मैं सफल रही |इस पहल से बच्चों के अन्दर की बहुत सारी विशेषताएँ सामने आई व उनकी बहुत सारी दक्षताओं का भी विकास हुआ |

निहारिका कुकरेती
प्राथमिक शिक्षिका

हमारा प्यारा हिंदुस्तान

हिंदुस्तान हिंदुस्तान कहते हैं
सब सीना तान
क्या आपने कभी सोचा है
हम इसका रखते हैं कितना ध्यान
पलभर के लिए ज़रा सोचे इंसान
हिंदुस्तान हिंदुस्तान
सिर्फ छब्बीस जनवरी अथवा
पंद्रह अगस्त को ही करते हैं
अपने राष्ट्र का सम्मान
क्यों इसी दिन ही आता है बस हमें
अपने राष्ट्र का ध्यान
हिंदुस्तान हिंदुस्तान
क्यों भूल जाते हैं कितने वीरों ने
अपने प्राणों का बलिदान किया है
देश को अपमानित होने से बचाया है
हिंदुस्तान हिंदुस्तान
आओ सब मिलकर प्रतिज्ञा करें
और बनाएँ अपने देश को महान
वीर सैनिकों को करें शत शत प्रणाम
हिंदुस्तान हिंदुस्तान
अरे ओ खोए हुए भारतीय इंसान
अब तो जागो और जगाओ अपना
सोया हुआ स्वाभिमान और कहें फिर से
हम सब सीना तान
हिंदुस्तान हिंदुस्तान !

रिया गुप्ता दूसरी 'ब'

पेड़ लगाओ

धरती की बस यही पुकार ,
पेड़ लगाओ बार-बार |
आओ मिलकर कसम ये खाएँ ,
अपनी धरती हरित बनाएँ |
धरती पर हरियाली हो ,
जीवन में खुशहाली हो |
पेड़ धरती की शान है ,
जीवन की मुस्कान है |

वैभव राज शर्मा तीसरी 'ड'

मेरा स्कूल

कितना सुंदर है स्कूल |
इसमें रंग-बिरंगे फूल ||
फूल सुहाने सबको भाते |
उन्हें देखकर सब ललचाते ||
टीचर हमको पाठ पढ़ाती |
नई-नई बातें सिखलातीं ||
फूलों से गिनती करवाती |
टॉफ़ी देकर हमें खिलाती ||

मोहित कुमार भगत तीसरी 'ड'

उलझन

पापा कहते बनो डॉक्टर ,माँ कहती इंजीनियर ।
भैया कहते इससे अच्छा सीखो तुम कंप्यूटर ।
दीदी कहती आगे चलकर बनना तुम कलेक्टर ।
चाचा कहते बनो प्रोफेसर ,चाची कहती अफसर ।
बाबा कहते फ़ौज में जाकर जग में नाम कमाओ ।
दादी कहती घर में रहकर ही उद्योग लगाओ ।
सबकी अलग - अलग अभिलाषा , सबका अपना नाता
लेकिन मेरे मन की उलझन कोई समझ न पाता ,
कोई समझ न पाता ॥

हर्षित शर्मा तीसरी 'ड'

प्यारी माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ ।
चलना हमें सिखाती माँ,
मंजिल हमें दिखाती माँ ।
सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ ।
खाना हमें खिलाती माँ,
लोरी गा कर सुलाती माँ ।
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ ।

दीक्षांत भगत दूसरी 'स'

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते |
बाँध तने में उसके रस्सी,
चाहे जहाँ कहीं ले जाते |
जहाँ कहीं भी धूप सताती,
उसके नीचे झट सुस्ताते |
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती,
उसके नीचे हम छिप जाते |
लगती जब भी भूख अचानक,
तोड़ मधुर फल उसके खाते |
आती बाढ़ कहीं तो हम,
झट उसके ऊपर चढ़ जाते |
अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते |

चारवी दूसरी 'स'

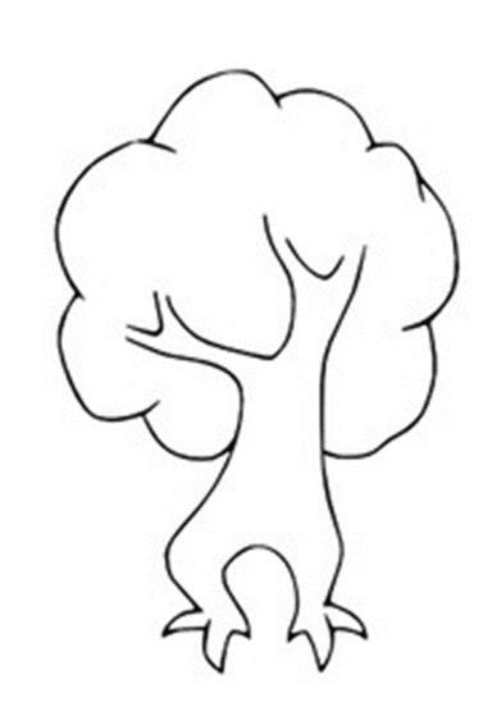

बेटियाँ

पल भर में रोती ,पल भर में हँसती है
मेरे घर में एक नन्ही चिड़ियाँ बसती है |
एक उसकी मुस्कान ही तो है
जिसके आगे सारी दुनिया सस्ती है |
बेटों से ज्यादा बहादुर होती है बेटियाँ
माँ -बाप के दुःख को समझे ,
इतनी समझदार होती है बेटियाँ |

शिवांश शर्मा दूसरी 'स'

पानी

प्यास लगे तो पिएँ पानी ,
नहाने -धोने में भी पानी |
पौधों में हम डाले पानी ,
कुत्ता -बिल्ली माँगे पानी|
बिन पानी हम जी न पाएँ ,
फिर पानी क्यों व्यर्थ बहाएँ |
नल में खुला न छोड़ो पानी ,
टप -टप ,टप -टप बहा पानी |
पानी को तुम खूब बचाओ ,
काम पड़े तब उसे बहाओ |

अक्षिता कोटवाल दूसरी ‘स’

मिलकर कोरोना को हराना है

मिलकर कोरोना को हराना है,
घर से हमें कहीं नहीं जाना है ,
हाथ किसी से नहीं मिलाना है ,
चेहरे पर हाथ नहीं लगाना है ,
बार-बार हाथ धोते जाना है ,
सेनिताईज करके स्वच्छ बनना - बनाना है,
बचाव ही इलाज़ है यह समझाना है ,
कोरोना से हमको नहीं घबराना है,
सावधानी रखकर कोरोना को मिटाना है,
देशहित से सभी को यह कदम उठाना है |

देविंदर सिंह दूसरी ‘स’

ब्रह्म बेला

ना जाने किसने इस दृश्य को है बनाया,
ब्रह्म बेला से इस सुबह को है सजाया,
थोड़ी चिड़ियों की चहचहाहट,
और पेड़ों की ठंडी छाया,
ऐसा लगता है जैसे,पूरा संसार इस ब्रह्म बेला में है समाया,
कौन है वह कलाकार !
जो बनाता है हर आकार,
जिसने बनाया हर दृश्य,
जैसे चिड़िया, पौधे और वृक्ष,
पता ही नहीं चलता,
कब रात से हो गई सुबह !
न जाने किसने,
इस आसमान को है सजाया !
पता नहीं किसने
ब्रह्म बेला को है बनाया!

शिवालिका सिंह, चौथी 'अ'

वो माँ है, वो माँ है, वो माँ है ´

वो माँ है जो हमें,
जन्म देती है !
वो माँ है जो हमें,
मीठी लोरी गा कर सुलाती है !
वो माँ है जो हमें,
मीठा बोलना सिखाती है !
वो माँ है जो हमें,
सही राह पर चलना सिखाती है !
वो माँ है जो हमें,
स्वादिष्ट खाना खिलाती है !
वो माँ है जो,
खुद दुख में रह कर हमें,

सुख पहुँचाती है !
वो माँ है जो हर मुश्किल में,
हमारा साथ देती है !
वो माँ है,
जिसका प्यार जग से निराला है !
जिसे हम कभी नहीं भूल सकते
वो माँ है, वो माँ है, वो माँ है !

करणवीर सिंह चौथी 'अ'

पक्षी

हम पक्षी आकाश के
उड़ना हमारी चाह है ।
कण-कण जोड़ना
हमारी परंपरा राह है ।
पिंजड़े में बंद करना
हमारी सबसे बड़ी सजा है ।
तिनका-तिनका जोड़कर
हम अपना आशियाना बनाते है ।
कैद में न रखना
दूर-दूर उड़ने की चाह है ।

नव्या चौथी 'अ'

ऐतिहासिक क्रिमची मंदिर

जिला मुख्यालय उधमपुर से 12 कि.मी. की दूरी पर उधमपुर-पंचारी मार्ग पर गाँव क्रिमची में मंदिरों का एक परिसर स्थित है । इन मंदिरों का निर्माण 8 वीं या 9 वीं ईस्वी के दौरान किया गया था जैसा कि परिसर के प्रवेश द्वार के पास एक बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया है । हरी पहाड़ियों के बीच गाँव क्रिमची में उधमपुर शहर के उत्तर-पश्चिम में शानदार प्राचीन पांडव मंदिर परिसर पाया गया है ।

मंदिरों के समूह को स्थानीय रूप से पांडव मंदिरों के रूप में जाना जाता है । इस परिसर में पाँच मंदिर हैं और उनमें दो छोटे मंदिर हैं । तीन पुराने मंदिर पूर्व की ओर एक पंक्ति में खड़े हैं । पहले तीन मंदिर और दो छोटे मंदिर एक आम उभरे हुए मंच पर बने हैं, जबकि चौथा मंदिर एक अलग और ऊंचे मंच पर है । पाँचवाँ मंदिर अन्य मंदिरों की तुलना में निचले स्तर पर बनाया गया है ।

मंदिरों के परिसर को जोड़ने के लिए लगभग एक किलोमीटर सम्पर्क मार्ग निर्माण की तत्काल आवश्यकता है । यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि क्षेत्र की अर्थ व्यवस्था को भी जोड़ेगा ।

उत्कर्ष कोहाल चौथी 'ब'

जेब घड़ी

दादाजी की जेब घड़ी
टिक-टिक करती पड़ी-पड़ी |
कहती समय बड़ा अनमोल
बोलो सदा ही मीठे बोल |
एक मिनट मत समय गँवाओ
पढ़-लिखकर कुछ नाम कमाओ |

चारूदत्त इंगवले (तीसरी 'ब')

जैसी करनी वैसा फल, आज नहीं तो मिलेगा कल !

एक गाँव के एक जमींदार ठाकुर बहुत वर्षों से बीमार थे । इलाज करवाते हुए कोई डॉक्टर, कोई वैद्य नहीं छोड़ा, कोई टोने-टोटके करने वाला नहीं छोड़ा। लेकिन कहीं से भी थोड़ा-सा भी आराम नहीं आया ! एक संत जी गाँव में आये तो उनके दर्शन करने वो ज़मींदार भी वहाँ गया और उन्हें प्रणाम किया और उसने बहुत दुखी मन से कहा - "महात्मा जी मैं इस गाँव का जमींदार हूँ, सैंकड़ों बीघे ज़मीन है इतना सब कुछ होने के बावजूद मुझे एक लाइलाज रोग है जो कहीं से भी ठीक नहीं हो रहा !"

महात्मा जी ने पूछा "भाई, क्या रोग है आपको ?"

"जी मुझे बहुत शारीरिक कष्ट है , इतनी जलन होती है जो बर्दाश्त नहीं होती।

ऐसा लगता है मेरे प्राण ही निकल जायेंगे ।"

"आप कुछ मेहरबानी करो महात्मा जी ।" महात्मा ने आँख बंद कर ली शांत बैठ गये, थोड़ी देर बाद बोले- "बुरा तो नहीं मानोगे, एक बात पूछूँ ?" "नहीं महाराज पूछिये !"

"तुमने कभी किसी का दिल इतना ज़्यादा तो नहीं दुखाया कि उसने तुम्हें जी भरके बद्दुआएें दी हों जिसका दण्ड आज तुम भोग रहे हो ?"

"तुम्हारे दुःख देने से वो इतना अधिक दुखी हुआ हो जिसके कारण आज तुम इतनी पीड़ा झेल रहे हो ?"

"नहीं बाबा !"

"जहाँ तक मुझे याद है, मैंने तो कभी किसी का दिल नहीं दुखाया ।"

"याद करो और सोचो कभी किसी का हक तो नहीं छीना, किसी की पीठ में छुरा तो नहीं मारा, किसी की रोज़ी रोटी तो नहीं छीनी ? किसी का हिस्सा ज़बरदस्ती तुमने खुद तो नहीं संभाला हुआ ?"

मेरी प्यारी बिटिया

मेरी बेटी प्यारी बेटी ।
सब की राजदुलारी बेटी ।।
कभी यह हँसती कभी यह रोती।
मेरी बेटी प्यारी बेटी ।।
सब की राज दुलारी बेटी।।
खूब पढ़ाऊँ खूब लिखाऊँ।।
पढ़-लिखकर इसे डॉक्टर बनाऊँ।
मेरी बेटी प्यारी बेटी।।
सब की आँखों का तारा बेटी।।
मेरी बेटी प्यारी बेटी।
सब की राज दुलारी बेटी
"मेरी प्यारी बिटिया"
मेरी बेटी प्यारी बेटी ।

प्रतुष्ठी खजूरिया तीसरी 'ब'

महात्मा जी की बात पूरी होने पर वो ख़ामोश और शर्मसार हो कर बोला।
“जी मेरी एक विधवा भाभी है जो कि इस वक्त अपने मायके में रहती है |वो ज़मीन में से अपना हिस्सा मांगती थी |
यह सोचकर मैंने उसे कुछ भी नहीं दिया कि कल को ये सब कुछ अपने भाईयों को ही दे देगी इसका क्या पता ?”
महात्मा जी ने कहा- “आज से ही उसे हर महीने सौ रूपए भेजने शुरू करो !” यह उस समय की बात है जब सौ रूपए में पूरा परिवार पल जाता था !
उसने कुछ रूपए भेजना शुरू कर दिया ! दो-तीन हफ़्तों के बाद उसने महात्मा जी से आकर कहा- “जी मैं पचहत्तर प्रतिशत ठीक हूँ !”
महात्मा जी ने सोचा कि इसे तो पूरा ठीक होना चाहिए था ऐसा क्यों नहीं हुआ ?
उससे पूछा “तुम कितने रूपए भेजते हो ?”
“जी पचहत्तर रूपए हर महीने भेजता हूँ |”
“इसी कारण तेरा रोग पूरा ठीक नहीं हुआ !”

दक्ष तीसरी ‘ब’

एक एक

एक एक यदि पेड़ लगाओ,
तो तुम बाग़ लगा दोगे ।
एक एक यदि ईट जोड़ो,
तो तुम महल बना दोगे।
एक एक यदि पैसा जोड़ो,
तो बन जाओगे धनवान।
एक-एक यदि अक्षर पढ़लो,
तो बन जाओगे विद्वान।।

ध्रुव देव सिंह पाँचवी 'ब'

मैं टीचर बन जाऊँ

पाठशाला की मैं एक टीचर,
बच्चों की मैं प्यारी टीचर ।
कक्षा में ये सारे बच्चे,
भले, न्यारे, प्यारे बच्चे
कहीं किताबें, कहीं है कक्षा,
सबसे प्यारी है ये शिक्षा ।
जल्दी से कक्षा मैं जाऊँ ,
सपनों से वापस मैं आऊँ।

सिमरन पाँचवी 'ब'

माँ बाप को भूलना नहीं

भूले सभी को मगर माँ बाप को नहीं,
उपकार अनगिनत है, उनके इस उपकार को भूलना नहीं।
पत्थर पूजे कई, तुम्हारे जन्म की खातिर अरे,
सुख का निवाला दे अरे, जिन्होंने तुम्हे बड़ा किया,
अमृत पिलाया तुमको, जहर उनके लिए उगलना नहीं।
कितने लड़ाए लाड, सब अरमान भी पूरे किये,
पूरे करो अरमान उनके, बात ये भूलना नहीं,
लाखों कमाते हो भले, माँ बाप से ज्यादा नहीं।
सेवा बिन सब राख है, मन से कभी भूलना नहीं,
संतान से अगर सेवा चाहो, संतान बन सेवा करो,
जैसी करनी वैसी भरनी, न्याय यह भूलना नहीं।
सोकर स्वयं गीले पर, सुलाया तुम्हें सूखी जगह ,

प्यारी प्यारी मेरी माँ

प्यारी प्यारी मेरी माँ,
सारे जग से प्यारी माँ,
लोरी रोज सुनती है,
थपकी दे सुलाती है।
जब उतरे आँगन में धूप,
प्यार से मुझे जगाती है।
देती चीज़ें सारी माँ,
प्यारी प्यारी मेरी माँ।
ऊँगली पकड़ चलाती है
सुबह- -शाम घुमाती है

ममता भरे हुए हाथों से
खाना रोज़ खिलाती है।
देवी जैसी मेरी माँ,
सारे जग से प्यारी माँ।
प्यारी प्यारी मेरी माँ ।।

एम.पूजा पाँचवीं 'ब'

माँ की असीम आँखों को भूल कर, कभी भिगोना नहीं।
जिसने बिछाए फूल थे, हर दम तुम्हारी राहों पर,
उस राह के काँटे कभी बनना नहीं ।।
धन तो मिल जाएगा मगर माँ बाप क्या मिल पाएँगे ?
पल पल पावन उन चरणों की चाह कभी भूलना नहीं ।
भूलो सभी को मगर माँ बाप को नहीं |

अतिशा शर्मा पाँचवी 'ब'

मैं भारत की मिट्टी हूँ

मैं भारत की मिट्टी हूँ ,
इस धरती को है नमन मेरा ,
अपनाके मुझको कर डाला,
कोटि- -कोटि सत्कार मेरा ।
पवनदेव मुझको ले जाओ ,
जहाँ जन्मे हैं वीर सभी ,
मैं भी कर लूँ उनका वंदन ,
जो नित करते हैं मृत्यु वरण ।
वरद हस्त माँ भारती कर दो ,
हो जाऊँ मैं धन्य अभी ,
वीर चरण छूकर हो जाओ ,
केसरिया रज केसरी ।

अनन्या गंडोतरा, पाँचवी 'ई'

सतरंगी पर्यावरण

आओ दादा - दादी, माता-पिता, दीदी , भाई ,
दोस्त आज हम सब मिलकर
पर्यावरण का एक गुलदस्ता बनाएँ ।
नन्हें - मुन्ने पेड़ लगाएँ ।
सुबह - सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ
घर - घर जाकर अलख जगाएँ
अपनी धरती माता को हरा - भरा बनाएँ ।

देवनमन, पाँचवीं ई

नन्ही परी को उड़ने दो

नन्ही परी को उड़ने दो ,
देश को रोशन करने दो ।
हर किसी को करती प्यार ,
कदम कदम पर देती ज्ञान ।
कभी बड़े काम कर जाती ,
कभी इतिहास को बदल कर जाती ।
लड़कियाँ हैं भविष्य की जान ,
क्योंकि अब ये करती हैं सारा काम ।
शिक्षा , सम्मान इनका अधिकार,
चले इन्हीं से है सारा संसार ।
देश को रोशन करने दो ,
नन्ही परी को उड़ने दो ।

मुस्कान जैन, पाँचवीं ई

नशा , कोरोना व उपचार

नशे न करना यारों ,
ये हालत करे खराब ।
तिल - तिल करके मारते ,
ये चुटकी, ड्रग्स , शराब ।
नए दौर के नए नशे हैं ,
नई बीमारी है तैयार ।
विज्ञान के इस युग में ,
दुनिया कोरोना से है लाचार ।
अब खुद का डॉक्टर बनना है ,
खुद का करना खुद ही उपचार।
सावधानी ,आयुर्वेद और योगा ,ये हैं सुरक्षा के
हथियार।

प्रियल शर्मा पाँचवीं ई

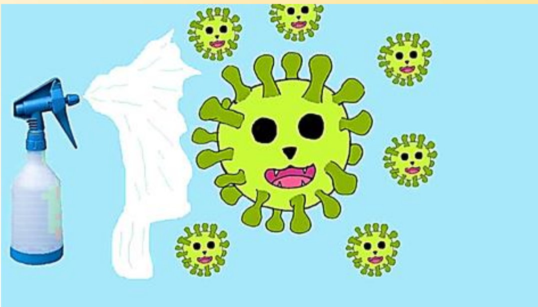

स्मृतियाँ

स्मृतियों की जल समाधि।
कागज पर उतर जाती हैं
एक खामोश नदी
जहाँ मेरी स्मृतियों की
जल समाधि पर
कभी-कभी आह जाती है
कोई त्यारी सी सडेंरिया
और झकझोरते हुए पूछती है-
कब जागोगे तुम ?
लिखो न एक कविता मेरे लिए ।

पनूचा दिपीका , आठवीं ड

ना मारो इस नन्ही कलीको

ना मारो इस नन्ही कली को,
वो खूब सारा प्यार हम पर लुटाएगी,
जितने भी टूटे हैं सपने, फिर से वो सब सजाएगी.
जब जब घर आओगे
तुम्हे खूब हँसाएगी, तुम प्यार ना करना बेशक उसको,
वो अपना प्यार लुटाएगी..

सुनो, ना मारो इस नन्ही कली को
हर काम की चिंता एक पल में भगाएगी ,
किस्मत को दोष ना दो, वो अपना घर आँगन महकाएगी

पर डरता हूँ समाज में हो रही रोज रोज की दरिंदगी से..
क्या फिर खुद वो इन सबसे अपनी लाज बचा पाएगी,
,वो बाहर नोची जाएगी.. बाहर किस किस से बचाऊँगा,
जब उठेगी हर तरफ से नजरें,तो रोक खुद को ना पाऊँगा.
जब तड़फेगी वो नजरों के आगे, क्या वो सब सह पाओगी,
क्यों ना मारूँ मैं अपनी नन्ही परी को,
ये सुनकर गर्भ से नन्ही परी आवाज आती है.....

सुनो माँ पापा -मैं आपकी बेटी हूँ मेरी भी सुनो
साथ देना आप मेरा, मजबूत बनाना मेरे हौंसले को,

घर लक्ष्मी है आप की बेटी, वक्त पड़ने पर मैं काली भी बन जाऊँगी

पापा सुनो ,ना मारो अपनी नन्ही कली को, तुम उड़ान देना मेरे हर वजूद को,
मैं भी कल्पना चावला की तरह ,ऊँची उड़ान भर जाऊँगी..
पापा सुनो, ना मारो अपनी नन्ही कली को,
आप बन जाना मेरी छत्र छाया, मैं झाँसी की रानी की बन जाऊँगी

मुझे माफ़ करना ऐ मेरी बेटी,
तुझे इस दुनिया में सम्मान से लाऊँगा. वहशी है ये दुनिया
तो क्या हुआ, तुझे मैं दुनिया की सब से बहादुर बिटिया बनाऊँगा.

आर्यवीर जम्वाल आठवीं द

ज़िन्दगी जी के तो देखो

किसी अज़नबी बात करके तो देखो
अपनी झिझक से आगे बढ़ के तो देखो
किसी अनजान को मुसकुराहट दे के तो देखो
कुछ रूठों को चाहत दे के तो देखो
रोते आये थे रोते जाएंगे ये ज़रूरी नहीं है
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं है |
कुछ पुराने पन्नों को हिला के तो देखो
अचानक उनको फोने मिला के तो देखो
कुछ जख्म ऐसे साफ़ करके तो देखो
उनको और खुद को माफ़ करके तो देखो
रास्ते अलग हैं अब पर दिलों में दूरी नहीं
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं |
दोस्ती का हाथ बढ़ा के तो देखो
अपनों को प्यार जाता के तो देखो
हर सांस में ज़िन्दगी है कोई मजबूरी नहीं है
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं है |
ये दुनिया इतनी बुरी नहीं है |

प्रीति आठवीं 'स'

बेटी

बेटी हूँ मैं भारत माता की
स्वाभिमान से मैं यह कहती हूँ ।
ऐसा कोई कर्म नहीं है
जिससे मैं पीछे रहती हूँ ।।
गया जमाना अब वो जब
बेटी को बोझ समझते थे।
जिस सेना में हों लड़के
उसको ही फौज समझते थे ।।
आज की नारी शक्ति हूँ
नहीं किसी से डरती हूँ मैं।
पहन के वर्दी सेना की
सरहदों पे भी लड़ती हूँ मैं।।
फिल्म जगत हो , खेल जगत हो
हर जगत में अव्वल रहती हूँ ।
बेटी हूँ मैं भारत माता की
स्वाभिमान से मैं यह कहती हूँ ।
ऐसा कोई कर्म नहीं है
जिससे मैं पीछे रहती हूँ ।।

वंशिका सातवीं 'ड'

मजा आता

इन गजों के झुंड में तू चींटी थी पर डरती रही,
लक्ष्मीबाई ने कुछ समझाया था पर गुलामी तू उनकी करती रही,
जब अपने बने इन दीमकों को जरा बिखेरती तो मजा आता,
खुद उठकर खुद के लिए लड़ती तो देख हौंसला मजा आता ।
हुकुमदार बने इन मर्दों को जरा सा तू जवाब देती,
क्यों जीना इनकी दो कौड़ी पर खुद के लिए तू खुद कमा लेती,
यह देवी की पूजा करते देवी क्या होती बता देती जरा,
गुलामी जो भरी है दिल में वो लावे से बता देती जरा,
यूं चूल्हों की आग में ना तपकर, बंधी जिंदगी में बेड़ियों से थककर,
तुझे उठता देख मजा आता,
खाली बजते गालों पर तेरे तमाचे देख मजा आता।

यूं चार दीवारों की जेल में तू कभी क्यूं थकती नहीं,
ये धुंआधार की रसोई में तू कभी क्यों तपती नहीं,
कल जरा एक काम करना
उस हुकुमदार मर्द को वहां बिठा देना,
सुन ! ये हमदर्दी ना बताना अब कहीं गहराइयों में छिपा देना,
कल खुद के लिए तू निकल पड़ना
देवी कहकर शोषण करते, उन्हें वध की भाषा समझा देना,
कल करना कुछ अपने लिए, वह देख मुझे जो मजा आता है
हर तरफ नया सूरज उगें तो उस धूप में सकने का मुझे मजा आता ।।

संदीप शर्मा नवीं 'ड'

मुर्गे की बांग

आओ सुनाए सुबह की एक कहानी
मुर्गे की बांग जो हुई अब पुरानी
अलार्म ने लिया जब से जगाने का काम
मुर्गा भी हो गया आलसी कम पड़ गया इसका नाम
वो बात ही क्या थी जब सूरज उगता था
लोगों के पहले मुर्गा जब उठता था
जब तक जागे न सारे
तब तक ज़िद में अपनी रहता था
बांग अब मुर्गे की सुनता है कौन ?
उठना है जो अब अपने बस में
अलार्म तो हो जाता जो मौन |

रीतिश दयाल नवीं 'ई'

यही है जिंदगी का सच

जो चाहा कभी पाया नहीं
जो पाया कभी सोचा नहीं
जो सोचा कभी मिला नहीं
जो मिला रास आया नहीं
जो खो दिया वो याद आता है

जो पाया संभाला जाता नहीं
क्यों अजीब सी पहेली है यह जिंदगी
जिसे कोई सुलझा नहीं पाता
जीवन में अगर समझौता करना पड़े ,
तो कोई बड़ी बात नहीं है
क्योंकि झुकता वही है जिसमें जान होती है
और अक्ल तो मुर्दा की पहचान होती है
जिंदगी जीने के दो तरीके होते हैं _
पहला जो पसंद है उसे हासिल करना सीखो
दूसरा जो हासिल है उसे पसंद करना सीखो
जिंदगी जीना आसान नहीं होता ,
बिना संघर्ष कोई महान नहीं होता
जब तक न पड़े हथौड़े की चोट ,
पत्थर भी भगवान नहीं होता
जिंदगी बहुत कुछ सिखाती है ,
कभी हँसाती है कभी रुलाती है
मगर जो रहते हैं हमेशा खुश
जिंदगी उनके आगे सर झुकाती ...

अंकिता ठाकुर नवीं 'ई'

असफलता

असफलता सीढ़ियाँ हैं जिनसे प्रकाशित होती
नई पीढियाँ है।
असफलता वह रीत है जिससे सब ने पाई
जीत है ।
असफलता से सफलता एक ऐसी लड़ाई है
जिसमें मिलती बहुत कठिनाई है,
पर मेहनत कर हमारी ही होती भलाई है ।
असफलता विकल्प को चुनो ,अपने भविष्य को
बुनो ।
असफलता बताती है हमें हमारी गलतियाँ,
जिससे मिलती है सफलता, जिस पर खुद ईश्वर
विराजमान है,
जिसका सब करते सम्मान है ।

असफलता से मत घबराओ असफलता एक
चुनौती है,
इसे स्वीकार करो ,एक दिन असफलता खुद
तुमसे घबराएगी,
तुम पर हँसने वालों को एक दिन जरूर
रूलाएगी|

कौशल सिंह दसवीं 'ब'

हिंदी मेरी भाषा है

हिंदी मेरी भाषा है, हिंदी मेरी आशा है
हिंदी का उत्थान करना, यही मेरी जिज्ञासा है।
हिंदी की बोली अनमोल, एक शब्द के कई विलोम ।
हिंदी हिन्द हिमालय पर शोभित, हर्षित होते बोल के
सोम।
मीठी बोली अदभुत बानी संग, बढ़ती प्रेम पिपासा है।
हिंदी का उत्थान करना, यही मेरी जिज्ञासा है।
हिंदी मेरी भाषा है।

सुप्रिया रंजना नवीं 'ड'

शेर का आसन

शेर जंगल का राजा होता है। वह अपने जंगल में सब को डरा कर रहता है। शेर भयंकर और बलशाली होता है । एक दिन शहर का राजा जंगल में घूमने गया। शेर ने देखा राजा हाथी पर आसन लगा कर बैठा है। शेर के मन में भी हाथी पर आसन लगाकर बैठने का उपाय सूझा । शेर ने जंगल के सभी जानवरों को बताया और आदेश दिया कि हाथी पर एक आसन लगाया जाए। बस क्या था झट से आसन लग गया । शेर उछलकर हाथी पर लगे आसन में जा बैठा । हाथी जैसे ही आगे की ओर चलता है, आसन हिल जाता

क्लास मॉनीटर

जो क्लास में बना मॉनीटर ,
कोरी शान दिखाते हैं।
आता-जाता कुछ भी नहीं,
पर हम पर रौब जमाते हैं।
जब क्लास में टीचर नहीं,
तो खुद टीचर बन जाते हैं।
कॉपी पैंसिल लेकर,
बस नाम लिखने लग जाते हैं।
खुद तो हमेशा बाते करें,
हमें चुप करवाते हैं।
अपनी तों बस गलती माफ़,
हमें बलि चढ़ाते हैं।
क्लास तो संभालते नहीं,
बस चीखते-चिल्लाते हैं।
भगवान बचाए इन मॉनीटर से,
इन्हें हम नहीं चाहते हैं।

नंदिनी नवीं 'ई'

|

है और शेर नीचे धड़ाम से गिर जाता है। शेर की टाँग टूट गई शेर खड़ा होकर कहने लगा - ‘ पैदल चलना ही ठीक रहता है। ‘

लक्ष्य धर

भूल

जिससे कोई भूल न हो,
भगवान उसी को कहते हैं।
भूल मिटाना जो चाहे
इंसान उसी को कहते हैं।
भूल करे पर माने नहीं
शैतान उसी को कहते हैं।
भूल का जिसको ज्ञान नहीं।
हैवान उसी को कहते है।
भूल करे और दंड सहे।
विद्वान उसी को कहते है।
भूल का जहाँ अंत हुआ
विद्वान उसी को कहतें हैं।
जिससे कोई भूल न हो,
भगवान उसी को कहते हैं।

चिरोश्री मण्डल सातवीं ‘ड’

माँ

"जब जब खुद को अकेला पाया, दूर तक कोई नजर न आया,
तब तूने मेरा हाथ थामकर इस अकेलेपन को मिटाया |
जब जब मैं इन राहों में भटक गया था मंजिल से,
तब तूने एक उजाला बनकर मुझे खोये रास्ते पर लौटाया |
जब कोई न मेरी खुशियो में शामिल होने आया था,
माँ तुम ही तो थी वो जिसने हर पल मेरा हौंसला बढ़ाया |
सब समझते थे मुझको जुगनू हूँ मैं आवारा-सा,
तुम्ही से तो मैंने माँ सितारे का दर्जा पाया |
झाँक लिया हर कोने में हर लम्हे को देख लिया,
समझ गया है कुछ भी नही बिन तेरे ये दुनिया |

मेरे जीवन के हर लम्हे में तेरी मौजूदगी बनी रहे,
जब जब खुद को अकेला पाया, दूर तक कोई नज़र न आया !!

लवकुश सिंह नवीं 'ई'

हमारा भारत

सबसे न्यारा देश हमारा ,
हमको है यह जान से प्यारा ।
सबसे ऊँचा झंडा लहराता ,
देश की है ये शान बढाता ।।
हिन्दू , मुस्लिम , सिख , ईसाई ,
सब आपस में भाई - भाई ।
करते नहीं है कोई लड़ाई ,
युद्ध में करते है दुश्मन की सफाई ।।
देवताओं का गढ़ है ये ,
मानने को नए आविष्कारों की जड़ है ये ।
वैसे तो है सभी देश महान ,
लेकिन सबसे ऊँचा है हमारा देश हिन्दुस्तान ।।
कहने को अमर है ये ,
पुरानी सभ्यताओं का घर है ये ।
पूरे विश्व का उभरता हुआ कल है ये ,
हुनर से महकता हुआ फल है ये ।।
मिट्टी छान कर देखो ,
सोने की है यह खान ।
तिरंगा है इसकी शान ,
देश अपना है भारत महान ।।

- अनन्या शर्मा छठी 'स'

करोना से डरो ना

बड़ी खतरनाक है वायरस की यह चाल,
अपने घर में ही रहो फिलहाल
बहुत खतरनाक है यह रोग
इसकी चपेट में आए हैं बहुत लोग
करोना की जंग में करोना से न डरो |
करोना से बचने के नियमों का पालन करो|
योग करके स्वस्थ रहो सब लोग,
फिर, छू भी नहीं पायेगा आपको करोना |

करन देव सिंह नवीं 'ई'

केन्द्रीय विद्यालय

सबसे अच्छा सबसे प्यारा,
केन्द्रीय विद्यालय परिवार हमारा।
हमें सिखालाता यह,
अनुशासन और शिष्टाचार।
देता हमें सीख यह,
करो मत किसी से दुर्व्यवहार।
सबसे अच्छा सबसे प्यारा,
केन्द्रीय विद्यालय परिवार हमारा।
यह है विद्या का मंदिर प्यारा,
है सबकी आँखों का तारा।
दिया है इसने ज्ञान हमें,
और जीवन में आगे बढ़ने का सहारा।
सबसे अच्छा सबसे प्यारा,
केन्द्रीय विद्यालय परिवार हमारा।
धन्य हुए धन्यवाद करें हम,
नमन से सम्मान करें हम।
केन्द्रीय विद्यालय का नाम करें हम,
यही है प्रयास हमारा।
सबसे अच्छा सबसे प्यारा,
केन्द्रीय विद्यालय परिवार हमारा।

- प्राची सातवीं ब

"शिक्षक"

सत्य न्याय के पर चलना ,
शिक्षक हमें बताते हैं ।
जीवन संघर्षों से लड़ना ,
शिक्षक हमें सिखाते हैं ।
जीवन में कुछ पाना है तो ,
शिक्षक का सम्मान करो।
शीश झुका कर श्रध्दा से तुम ,
बच्चों प्रणाम करो ।

आरुष जंडियाल, सातवीं 'अ'

तीन चीजों की महानता

१) तीनों को करो प्रणाम- माता, पिता, गुरु
२) तीनों के लिए लड़ो- आजादी, ईमानदारी, हक
३) तीनों से अच्छा व्यवहार करो- नौकर, गरीब, बूढ़े
४) तीनों पर कब्जा करो- आदतें, जुबान, गुस्सा
५) तीनों बाते मत भूलो- उपकार, उपदेश, उदारता
६) तीनों को याद रखो- भगवान, अहसान, मौत
७) तीनों को मजाक मत करो- अंगहीन,
अनाथ,विधवा

-प्राची सातवीं ब

पेपर वाला

रोज है आता पेपर वाला,
खबरें लाता पेपर वाला।
सुबह-सुबह आवाज देकर,
हमें जगाता पेपर वाला।
नियम और अनुशासन का है,
पाठ सिखाता पेपरवाला।
कठिन परिश्रम में ही है जीवन,
हमें बताता पेपर वाला।

प्राची, सातवीं ब

एक बचपन का जमाना था

एक बचपन का जमाना था ,
जिसमें खुशियों का खजाना था .....
चाहत चाँद पाने की थी ,
खबर न थी सुबह की.....
न शाम का ठिकाना था ,
थक कर आना विद्‌यालय से ,
पर खेलने भी जाना था.....
माँ की कहानी थी ,
परियों का फ़साना था .....
बारिश में कागज की नाव थी ,
हर मौसम सुहाना था.....
एक बचपन का जमाना था.....

भृकुटी शर्मा, सातवीं 'ब'

सुबह

गरम गरम लड्डू सा सूरज
लिपटा बैठा लाली में
सुबह सुबह रख आया कौन
इसे आसमान की थाली में

मंदी आँख खोली कलियों ने
चिड़ियों ने गाया गाना
गुन गुन करते भवरों ने
खिलते फूलों को पहचाना

तभी आ गई फुदक फुदक कर
एक तितलियों की टोली
मधुमक्खियों ने मधु रस लेकर
भर डाली अपनी झोली

उठो उठो लगे काम पर
तब आगे बढ़ पाएँगे
वे क्या पाएँगे जीवन में
जो सोते रह जाएँगे

ईशा,सातवीं ड

बादल

मन कहीं नहीं अटका है ,
ऊपर एक बादल अटका है .....
जो तुझको छूकर आया है ,
मेरे मन के आँगन में बरसा है .....
चाँद कहीं नहीं भटका है ,
दिल के आसमाँ में लटका है .....
तेरे मन को छूकर आया है ,
मेरे मन के आँगन में छिपा है ......

भृकुटी शर्मा, सातवीं 'ब'

मेरे प्यारे पापा

मेरे प्यारे पापा,
मेरे दिल में रहते पापा,
मेरी छोटी सी खुशी के लिए
सब कुछ सह जाते हैं पापा,
पूरी करते हैं मेरी इच्छा,
उनके जैसा नहीं कोई अच्छा,
ममा मेरी जब भी गुस्सा करे,
मुझे दुलारते मेरे पापा,
मेरे प्यारे पापा.

साधिका शर्मा, आठवी 'स'

शिक्षा का महत्व

बहुत समय की बात है। एक राजा था। वह एक दिन शिकार करने गया था। बारिश के मौसम के कारण यह पता लगाना बहुत मुश्किल था कि बारिश कब होगी ?

अचानक तेज बारिश होने लगी। तेज बारिश के कारण राजा अपने महल जाने के रास्ते से भटक गया और अपने सिपाहियों से अलग हो गया। भूख, प्यास और थकावट से राजा तड़प रहा था।

उस राजा को बड़ी दूर तीन बच्चे खेलते हुए नजर आए। तीनों बच्चों एक दूसरे के काफी अच्छे दोस्त नजर आ रहे थे। उन्हें देखकर राजा ने अपने पास बुलाया। बच्चे उस राजा के पास गए।

तब राजा ने पूछा क्या तुम कहीं से मेरे लिए भोजन और जल ला सकते हो ? मैं बहुत भूखा हूँ और प्यास भी लग रही है।

तब बच्चों ने कहा जी ज़रुर ! तब तुरंत बच्चे गाँव की तरफ गए और कहीं से थोड़ा भोजन और जल लेकर आए। राजा ने भोजन और जल ग्रहण किया। राजा बच्चों के उत्साह और प्रेम से बहुत प्रसन्न हुआ।

राजा ने बच्चों से कहा कि बच्चों तुम जीवन में क्या करना चाहते हो ? मैं तुम सबकी मदद करना चाहता हूँ । बच्चे यह सुनकर सोचने लगे।

तब पहले बच्चे ने कहा कि मुझे धन चाहिए। मैंने कभी अच्छा खाना नहीं खाया और मैंने अच्छे कपड़े नहीं पहने। मैंने कभी दो वक्त की रोटी नहीं खाई। इसलिए मुझे सिर्फ धन चाहिए जिसे मैं अच्छा खाना और कपड़े ख़रीद सकू।

राजा ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं तुम्हें इतना धन दूँगा कि जीवन भर सुखी रहोगे। इस बात को सुनकर बच्चे की ख़ुशी का ठिकाना ही नहीं रहा।

राजा ने अब दूसरे बच्चे से पूछा कि तुम्हें क्या चाहिए?

उस बच्चे ने कहा क्या आप मुझे बड़ा बंगला और घोड़ागाड़ी देंगे?

तब राजा ने कहा क्यों नहीं? मैं तुम्हें आलीशान बंगला और घोड़ागाड़ी दूँगा।

अब राजा ने तीसरे बच्चे से पूछा तुम्हें क्या चाहिए? तीसरे बच्चे ने कहा कि मुझे बहुत सारा धन या बंगला नहीं चाहिए। मुझे सिर्फ ऐसा आशीर्वाद दीजिए कि मैं अच्छे से पढ़ लिख कर बहुत बड़ा विद्वान बन सकूँ और शिक्षा प्राप्त कर देश की सेवा कर सकूँ ।

-सौहार्द गुप्ता, नवी 'अ'

माँ

उसकी हर दुआ कुबूल है
वो तो ममता का एक फूल है
शायद तभी भगवान से भी
ऊपर माँ आती है ,
एक सच्चा दोस्त कहलाती है
माँ,
तुझे न हो फुर्सत एक पल भी
उसके लिए,
उसका हर पल हर लम्हा
तेरे लिए,
माँ सब जानती है..

खुशी शर्मा ,आठवीं स

हाथी

सूँड उठाकर नन्हे हाथी ने
मारी एक डकार ।
आधा जंगल हिला
मच गया फिर तो हाहाकार !

सोए जीव-जंतु सब जागे
घबराए-चकराए !
कौन आ गया है जगंल में
आओ पता लगाएँ ?

झटपट नन्हा हाथी भागा,
करता हुआ विचार ।
एक मिनट अगर और रूका तो
बुहत पडेगी मार !

रिया आठवीं स

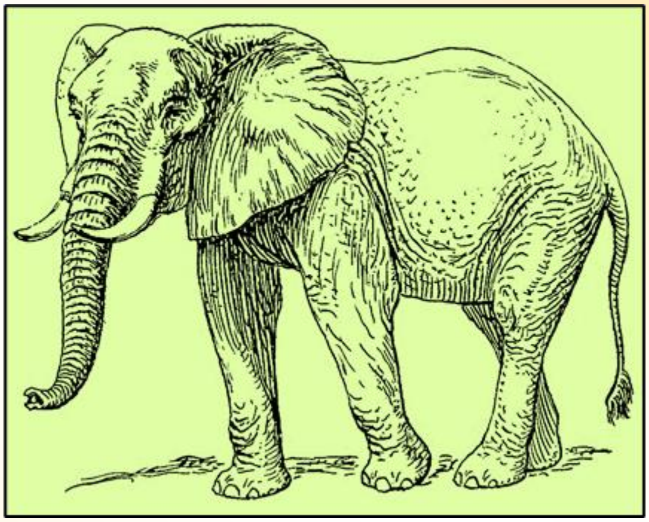

ज्ञान प्राप्ति की लगन

हरिद्वार के एक संत जो वृद्धावस्था में आने के कारण कुछ समय से चिंतित थे, कि उनके पास जो ज्ञान का भंडार है, वह कैसे अपने भावी पीढ़ी को कैसे सुपुर्द करें । इसके लिए वह काफ़ी समय से ऐसे छात्र का चयन कर रहे थे जो उनका उत्तराधिकारी बन सके । संत एक दिन अपने सभी शिष्यों को लेकर दूर कहीं जंगल जाने को निकले, जहाँ वह अपनी विद्या अपने शिष्यों को दे सके । संत चलते रहे दुर्गम पहाड़-पठार आते गए नदियाँ आई किंतु संत नहीं रुके । एक दिन हुआ, दो दिन हुए, वह निरंतर चार दिन चार रातें चलते रहे । इस बीच रास्ते में कुछ छात्रों ने शिक्षा लेने का विचार बदल दिया और वापस लौट गए, कुछ छात्र दो दिन साथ चलते रहे फिर वापस लौट गए । कुछ छात्र भूख-प्यास से व्याकुल वापस अपने घर लौट आए और कुछ छात्र जो रास्ते में ही बेहोश हो गए । किंतु संत

नहीं रुके वह निरंतर चलते रहे, अंततः ऋषि एक कुटिया में पहुँचे । अब उनके पास केवल दो ही शिष्य थे । वह उन शिष्यों को लेकर उस कुटिया में गए और प्रसन्नता पूर्वक कहा- "मैं तुम्हें अपनी सारी विधाएँ सुपुर्द करूँगा |तुम्हें गेहूँ से हीरा बनाने की विद्या का अभ्यास कराऊँगा |" यह कहते हुए उन्होंने अपने दोनों शिष्यों को गेहूँ का एक-एक दाना दिया और मंत्र पढ़ने को कहा । एक शिष्य मंत्र पढ़ते-पढ़ते बेहोश हो गया जिसके कारण उसका मंत्र अधूरा रह गया और हीरा नहीं बन सका । किंतु दूसरे शिष्य ने पूरा मंत्र पढ़कर उस गेहूँ से हीरा बना दिया क्योंकि इस विषय में ज्ञान लेने के लिए इस शिष्य की इच्छा शक्ति थी, लगन थी जिसके कारण भूख, प्यास, थकान सभी पर शिष्य ने विजय पा लिया था । वह शिष्य अपने गुरु के कहे हुए हर एक शब्द का, हर एक आज्ञा का पालन करता था जिसके कारण वह अन्य शिष्यों से अलग था । संत ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए अपना संपूर्ण ज्ञान अपने शिष्य की झोली में डाल दिया क्योंकि यह शिष्य अपने गुरु के ज्ञान का सच्चा अधिकारी था।

मोहित कुमार चौधरी, सातवीं ई

दूसरा पहलू

एक बार एक आदमी कोई ज़रूरी काम कर रहा था लेकिन उसका 10 साल का बेटा बीच-बीच में आकर उसे बार-बार परेशान कर रहा था |उस आदमी ने कई बार अपने बेटे को डाँट लेकिन फिर भी वह नहीं माना |इस पर उस आदमी ने पास ही रखी किताब उठाई और उसमें से विश्व का एक मानचित्र (मैप) फाड़ लिया |उसके बाद उसने अपने बेटे से कहा कि मैं इस मैप के टुकड़े काट रहा हूँ तुम्हें इन टुकड़ों को जोड़कर मैप वापस बनाना है |बेटा यह करने के लिए राज़ी हो गया |आदमी ने विश्व के मैप के टुकड़े कर के बेटे को दे दिए और मन ही मन यह सोच कर खुश होने लगा कि अब वह कुछ घंटे आराम से अपना काम कर सकेगा क्योंकि उसका बेटा मैप जोड़ने में व्यस्त रहेगा |बेटा मैप के टुकड़े लेकर चला गया और आदमी अपने काम में लग गया |

कुछ मिनटों बाद ही बेटा दौड़ कर उस आदमी के पास आया और बोला कि पापा मैंने मैप पूरा कर दिया है |बेटे की बात सुनकर आदमी को विश्वास ही नहीं हुआ |उसने अपने बेटे के हाथ से मैप लेकर देखा तो वाकई वह पूरा हो चुका था |उसने बेटे से पूछा कि तुमने इसे इतनी जल्दी कैसे बना लिया ? बेटे ने कहा कि इसके पीछे एक कार्टून बना था मैंने उसे जोड़ दिया और मैप आसानी से पूरा हो गया |

मन्नत कतयाल,आठवीं स

पिता

मैं पतंग, पापा है डोर
पढ़ा लिखा चढ़ाया आकाश की ओर,
खिली कली पकड़ आकाश की ओर,
जागो, सुनो, कन्या भ्रूण हत्यारों,
पापा सूरज की किरण का शोर,
मैं बनू इंदिरा सी, पापा मेरे नेहरू बने,
बेटियों के हत्यारों, अब तो पाप से तौबा करो,
पापा सच्चे, बेहद अच्छे, नेहरू इंदिरा से वतन भरे,
बेटियाँ आगे बेटों से, पापा आओ पाक एलान करो,
देवियों के देश भारत की जग में, ऊँची शान करो !

इशिका ठाकुर, दसवीं ड

पर्वत कहता

पर्वत कहता
शीश उठाकर
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है
लहराकर
मन में गहराई लाओ।
समझ रहे हो
क्या कहती है
उठ-उठ गिर गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो
अपने मन में
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।
धरती कहती
धैर्य न छोड़ो
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है
फैलो इतना
ढक लो तुम सारा संसार।

उर्वी, आठवीं-ब

आत्मनिर्भरता

आसमां बुला रहा तुझे चलते जाना है,
दो कदम तू बढ़ा दो तेरी मंजिल ने भी बढ़ाना है।
किस्मत का तो पता नहीं पर ,
तेरी मेहनत को तेरे काम आना है ।
क्योंकि आगे देखने वालों के साथ ही चलता ये जमाना है।
जो दर्द तूने पाया था वो दर्द पुराना है,
तन तो भुला चुका अब मन से उसको भुलाना है।
क्योंकि जिंदगी में दर्द से सिर्फ दर्द ही मिलता है।।
आसमां खुला है अब पंख अपने भी तू खोल दे ,
रोकती है तुझको जो बंदिशें उन बंदिशों को तोड़ दे।
जो तू थक गया तो हमेशा के लिए थम जाएगा ,
और अगर चलता रहा तो ,
सिक्के दोनों पहलूओं को जीत जाएगा।
हिम्मत मत हार ,जिंदगी बड़ी है दुनिया से भी ,
चलता जा खुद पर भरोसा करके तो देख कभी ।
सपने तो सबके ही होते हैं ,
उन्हें पूरा करने का हौंसला रख।
ना कर फिक्र दुनिया की ,
नामुमकिन को मुमकिन करने का जज्बा रख ।
तू जिंदगी को कभी समझ ही न पाया,
क्योंकि जिंदगी ना तो हार देती है
और ना ही जीत देती है ।
मत कर इतना गुमान अपनी जीत पर ए मुसाफिर,
क्योंकि जिंदगी तो मीठी सी सीख देती है ।
ना हो हताश अपनी हार पर इतना भी ,
क्योंकि हार कर जीतने वाले को ही बाजीगर कहते हैं ।
किस्मत साथ नहीं है तो क्या हुआ ,
अपनी मेहनत से पत्थर को भी पिघलाना सीख ले।

अगर शक है कि कोई साथ देगा या नहीं ,
तो खुद पर जोर आजमाना सीख ले ।
दूसरों की कमियाँ निकालना छोड़,
अब खुद की कमियाँ सुधार ना सीख ले ।
तू दुनिया ए चमन में बसा एक मुसाफिर है ,
गुजरते वक्त के साथ एक दिन यूं ही गुजर जाएगा।
करके कुछ आँखों को नम,
कुछ दिलों में याद बन बस जाएगा।

प्रीति कसाना, नौवीं 'स'

भारतीय रक्षक

हिंन्दुस्तान की जन्नत है , जम्मू और कश्मीर ।
इसकी रक्षा के लिये , जन्में हैं फौजी वीर ।।
पहनावे में योध्दा लगे , काम में बलवीर ।
टैंक, मिसाइल और बंदूकें , इनकी है जागीर ।।
रक्षा इनका उद्देश्य है , एकता इनका विचार ।
मुश्किलों को दोस्त समझे,कर्त्तव्य इनका आधार।।
हिम्मत इनमें ऐसी है जो , दे दुश्मन को हार ।
दुश्मन जैसी हस्ती को , मिटाने को बेकरार ।।
जोशीले हरदम रहें , शक्ति इनमें आपार ।
इनमें ऐसा देखकर ,"दुश्मन" सोचे हर बार ।

एम. आर्या, नौवीं 'ब'

मुश्किल बड़ी घड़ी है, संयम बनाये रखना

मुश्किल बड़ी घड़ी है, संयम बनाये रखना
एक फ़ासला बनाकर, खुद को बचाये रखना
है जिंदगी नियामत, असमय ये खो ना जाये
इस देश पर कोरोना, हावी ना होने पाये
ये वक्त कह रहा है
घर से नहीं निकलना |
निज संकल्प से ही अपने, इस रोग को हराना,
हाथों को अपने साथी, कई बार धोते रहना
उनको नमन करें हम, सेवा में जो लगे हैं
सब कुछ भुला के अपना, दिन-रात जो जुटे हैं
रहकर सजग हमेशा, अफ़वाहों से भी बचना
मुश्किल बड़ी घड़ी है, संयम बनाये रखना

परी शर्मा, आठवीं ब

वो है मेरे पापा

हर मुश्किल को आसान बना दे
सही ग़लत की पहचान करादे
इस निराली दुनिया में
जीना हमको सिखा दे |वो है मेरे पापा .....
अपने गम भुलाकर
हमारे गम लेने वाले
अपने आँसू छुपाकर
हमको हँसाने वाले
छोटी सी बडी हर ख्वाहिश
पूरी करने वाले
दुनियादारी की हर समझ सिखाने वाले |वो है
मेरे पापा ....
मेरी हर जीत पर जश्न मनाने वाले
मेरी मुस्कराहट पर मुस्कुराने वाले
हमारी ख़ुशी में खुश होने वाले
ज़िन्दगी को हमारी आसान बनाने वाले |वो है
मेरे पापा ....

पलक राजपूत, आठवीं ब

काँप उठी..धरती माता की कोख !!

कलयुग में अपराध का, बढ़ा अब इतना प्रकोप
आज फिर से काँप उठी, देखो धरती माता की कोख !!
समय समय पर प्रकृति, देती रही कोई न कोई चोट
लालच में इतना अँधा हुआ, मानव को नहीं रहा कोई खौफ !!
कहीं बाढ़, कहीं पर सूखा, कभी महामारी का प्रकोप
यदा कदा धरती हिलती, फिर भूकम्प से मरते बे मौत !!
मंदिर मस्जिद और गुरूद्वारे, भेंट चढ़े राजनीति के लोभ
वन सम्पदा, नदी पहाड़, झरने, इनको मिटा रहा इंसान हर रोज !!
सबको अपनी चाह लगी है, नहीं रहा प्रकृति का अब शौक
"धर्म" करे जब बाते जनमानस की, दुनिया वालो को लगता है जोक !!

कलयुग में अपराध का, बढ़ा अब इतना प्रकोप
आज फिर से काँप उठी, देखो धरती माता की कोख !!

अमृता चौधरी, दसवीं 'अ'

मेरा देश महान

जिसकी सुहानी सुबह होती, होती है सुहानी शाम
वीर बहादुर जन्मे जिसमें मेरा देश महान है
भारत के माटी के पुतले लोहे के माने जाते हैं
गांधी, नेहरू, सुभाष, तिलक इस नाम से जाने जाते हैं

मेरे देश की माटी ऐसी, जहाँ जन्म लेते भगवान
मेरा भारत देश महान, मेरा भारत देश महान
सोने के हैं दिन यहाँ चाँदी की रात
नदियों मैं है अमृत की धारा सुंदर-सुंदर घाट

फिर बने सोने की चिड़िया सबका है ये अरमान
मेरा भारत देश महान मेरा भारत देश महान

रितिका, आठवीं स

राखी

आया राखी का त्यौहार
सुबह- सुबह होकर तैयार
सोना- पिया दोनों बहनें
अच्छे - अच्छे कपड़े पहने
लेकर थाली सजी - सजाई
जिसमें थी राखी और मिठाई
भईया चुप टीका लगवाता
बहनों से राखी बंधवाता
करता उनको भर प्यार
देता उनको अनेक उपहार।

अभिनव, छठी इ

बचपन

बच्चों से बचपन न छीनो,
बचपन आता है एक बार।
गया बचपन तो आई जवानी,
ले कर तन- मन में बहार ।
नया जोश और नई उमंगे ,
लेकर जीवन में नव संचार ।
नई दिशा में उड़ने को,
तो रहता एक दम तैयार ।
गई जवानी आया बुढ़ापा,
लिए अनुभव का ज्ञान- भंडार ।
अंत यदि सुखद न हो तो,
लगता है जीवन बेकार ।

तन्मय वर्मा, छठी इ

फूल

रंगों से बनी यह दुनिया
लाल, गुलाबी,हरे, नीले
और कई तरह के रंगो
वाले फूल इनको हम
मंदिर में चढ़ाते, इनसे
हम घर को सजाते, इन
फूलों को नारी के केशों
में लगाकर नारी का
सौंदर्य बढ़ाते हमें पंसद
यह सुन्दर फूल तुम्हें
पंसद यह सुन्दर फूल
सबको पंसद यह, सुन्दर फूल ।

अवी महाजन,छठी इ

प्रकृति

पर्यावरण बचाओ,आज यही माँग है,
ध्वनि, मिट्टी, जल, वायु आदि सब |पर्यावरण बचाओ.......
जीवजगत के मित्र सभी ये, जीवन हमें देते सारे,
इनसे अपना नाता जोड़ो, इनको अपना मित्र बनाओ |पर्यावरण बचाओ.......
हरियाली की महिमा समझो,वृक्षों को पहचानो,
ये मानव के जीवन दाता,इनको अपना मानो,
एक वृक्ष कट जाये तो, दस वृक्ष लगाओ |पर्यावरण बचाओ.......

कोशिकी शर्मा, छठी'ई'

जग में सुन्दर देश हमारा..

जग में सुन्दर देश हमारा
तीन रंग का नहीं वस्त्र,
ये ध्वज देश की शान है,
हर भारतीय के दिलों का स्वाभिमान है।
यही है गंगा , यही है हिमालय,
यही हिन्द की जान है,
और तीन रंगों में रंगा हुआ |ये अपना हिन्दुस्तान हैं।
जग में सुन्दर देश हमारा,
अपना भारत है हमें
अपने प्राणों से प्यारा
नदी, खेत,बाग और वन
देते हैं सुन्दर जीवन
यहाँ हैं खुबसूरत
पर्वतों का नज़ारा
जग में सुन्दर देश हमारा
राम,कृष्ण,गौतम
और गाँधी का देश
यहाँ हैं काले , गोरे
सभी रंग विशेष
यहाँ बहती पवित्र नदियाँ
गंगा , यमुना , नर्मदा
करती हैं सिंचित जीवन सर्वदा
चलती रहे ये जीवन धारा |जग में सुन्दर देश हमारा!

संतोषी शर्मा, छठी ई

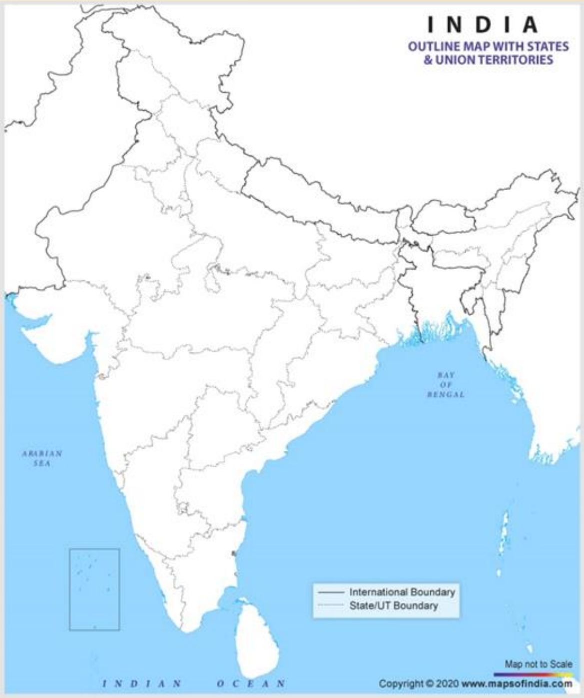

माँ

घुटनों से रेंगते - रेगंते ,
कब पैरों पर खड़ा हुआ |
तेरी ममता की छाँव में ,
जाने कब बड़ा हुआ |
काला टीका दूध मलाई
आज भी सब कुछ वैसा है |
मैं ही मैं हूँ हर जगह ,
प्यार ये तेरा कैसा है ?
सीधा - साधा , भोला - भाला ,

मैं ही सबसे अच्छा हूँ |
कितना भी हो जाऊँ बड़ा ,
माँ ! मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ |

शौर्या ठाकुर, छठी 'अ'

एक-एक

एक-एक उंगली से मिलकर, बन जाता है हाथ।
एक-एक की ताकत देखो,चलो हमारे साथ।

एक-एक बच्चा मिलता तो,बन जाती कक्षा सारी।
एक-एक जब फूल खिले तो,महक उठी सब फुलवारी।

एक-एक भारतवासी से, मिलकर बनता हिंदुस्तान।
भाषा जाति धर्म कोई हो, एक है भारत देश महान।

आदित्यन.ए, छठी अ

ओस की एक बूँद

ओस में डूबता अंतरिक्ष
विदा ले रहा है
अंधेरों पर गिरती तुषार
और कोहरों की नमी से।
और यह बूँद न जाने
कब तक जाएगी
इस लटकती टहनी से
जुड़े पत्ते के आलिंगन में ।
धुल में जा गिरी तो फिर
मिट के जाएगी कहाँ ?
ओस की एक बूँद
बस चुकी है कब की
मेरे व्याकुल मन में।

उत्कर्षणी शर्मा,छठी अ

पेड़

आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
हरा भरा यह देश बनाएँ!
वातावरण को स्वच्छ बनाकर,
इस जीवन को स्वस्थ बनाएँ!
पेड़ न कोई काट न पाए,
जंगल अब घट न पाए!
मिलकर हम सब कसम ये खाएँ,
आओ मिलकर पेड़ लगाएँ !
पेड़ है देते प्राण वायु,
जीवन इनसे ही दीर्घायु !
खुद समझाएँ, ओरो को भी बताएँ,
आओ मिलकर पेड़ लगाएँ।

सेजल चौधरी, छठी 'अ'

मनुष्य

पराए दुख को अपनाया है, हर किसी के काम जो आता है ॥
सबका मन जो बहलाता है, मनुष्य वही कहलाता है ॥
बुरे समय में जो साथ निभाता है, परोपकार में जो जीवन बिताता है ॥
सबके गम को मिटाता है, मनुष्य वही कहलाता है ॥
फूल बनके महकता है, जो काँटों की चुभन को भी सहता है ॥
पर पूरे जगत को भी हर्षाते है, मनुष्य वही कहलाता है ॥
मीठी जिसकी वाणी हो, मुश्किलों से जो नहीं घबराता है ॥
खुशियाँ दे जाता है, मनुष्य वही कहलाता है॥

अक्षिता शर्मा, सातवीं 'ब'

मौन

दुनिया से बात करने के लिए, फोन की जरूरत होती है।
प्रभु से बात करने के लिए, मौन की जरूरत पड़ती है
फोन से बात करने पर,बिल देना पड़ता है।
ईश्वर से बात करने पर, दिल देना पड़ता है
'माया' को चाहने वाला ,बिखर जाता है
भगवान को चाहने वाला,'निखर' जाता है

महिका, सातवीं ब

मेरा देश

प्यारा-प्यारा मेरा देश, सबसे न्यारा मेरा देश।
दुनिया जिस पर गर्व करे, ऐसा सितारा मेरा देश।
चांदी सोना मेरा देश, सफल सलोना मेरा देश।
गंगा जमुना की माला का, फुलो वाला मेरा देश।
आगे जाए मेरा देश , नित नए मुस्काएं मेरा देश।
इतिहास में बढ़ चढ़ कर, नाम लिखाये मेरा देश।

प्रीति पाल, आठवी ड

आकाश

आकाश तुझे लेकर क्या करना,
तुझको है धरती पर रहना।
गाता हूँ मैं धरती के गीत,
मानव से है मुझको प्रीत।
कल-कल-कल-कल नदियाँ बहती,
हरे-भरे यह सुंदर खेत।
झरने-जंगल और पहाड़,
इन सब से है मुझको प्यार।
नहीं चाहता हूँ मैं आराम,
चलता रहता मेरा काम।

अश्विका सिंह, सातवीं स

खतरों से जूझना सीखें

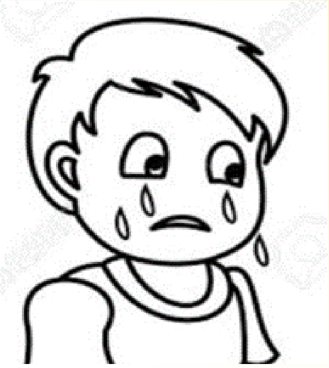

मुन्नू अपने घर के निकट लगी झर- बेरियों की झाड़ियों के नजदीक ही खेल रहा था । पके और रसीले बेरों को देखकर उसके मुँह में पानी भर आया। मुन्नू बेरों को देखकर सोचने लगा – 'यह बेर कितने रसीले दिख रहे हैं। इन्हें तोड़कर फुरसत में मज़े से खाऊँगा ।' लेकिन जैसे ही उसने बेर तोड़कर झाड़ियों से अपना हाथ खींचा, उसके हाथ में काँटे चुभ गए। तीव्र पीड़ा और जलन के मारे मुन्नू रोने– बिलखने लगा ।

उसके हाथों में छोटे–छोटे दाने भी उभर आए। मुन्नू ने घर आकर अपनी माँ को सारी बात बताई। रोते– सिसकते हुए वह बोला –' माँ ! मैने तो काँटों को केवल छुआ था। देखो !

उन्होंने मेरे हाथों की क्या दशा बना दी।' माँ ने पुत्र के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा–' बेटे! तुम्हारे हाथ में काँटे इसलिए चुभे क्योंकि तुमने केवल उन्हें छुआ था। अगर तुम मजबूती से पकड़ते तो वे तुम्हें चुभते नहीं। याद रखो, खतरों से खेले बिना कुछ प्राप्त नहीं होता।

इशानवी शर्मा, आठवीं ड

हम वीर सपूत भारत माता के

हम वीर सपूत भारत माता के, तूफ़ान उठा देंगे ।
भारत माँ की रक्षा के खातिर, दिल जान लुटा लेंगे ॥
छाती इसकी है वतन हमारा है ।
माटी इसकी है तिलक हमारा है ॥
इस माटी के खातिर हम सब, खुद की पहचान मिटा देंगे ।
हम वीर सपूत भारत माता के, तूफ़ान उठा देंगे ।
भारत माँ की रक्षा के खातिर, दिल जान लुटा लेंगे ॥
कश्मीर इसका है चमन हमारा ।
भारत माँ के मस्तिष्क का तारा ॥
इसके खातिर हम अपने जीवन का, हर सुख-श्रृंगार मिटा देंगे ।
हम वीर सपूत भारत माता के, तूफ़ान उठा देंगे ।
भारत माँ की रक्षा के खातिर, दिल जान लुटा लेंगे ॥

गौरव कुमार, बारहवीं 'अ'

कोरोना वायरस

जिन्दगी जैसे थम सी गई सब कुछ बंद हो गया। जो जहाँ था वही रूक गया कैसे यह सब कुछ कैसे हुआ किसकी वजह से हुआ ? वह है "कोरोना" करोना की वजह से हम बच्चों की पढ़ाई का भी बड़ा नुकसान हुआ है |इस में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन बहुत कुछ सीखा भी । सभी के घरो में अलग-अलग पकवान बनाए गए । खाने - पीने की बहुत ही मौज़ रही, परन्तु कुछ लोग ऐसे भी है जिनको खाने पीने को बहुत मुश्किल हुई परन्तु लोगों और सरकार ने उन लोगों की काफी मदद भी की । अब भी करोना तो है परन्तु लोगों ने इससे डरना छोड़ दिया है और वह डट कर उस का मुकाबला कर रहे है ।

कृष्णा शर्मा, सातवीं 'स'

नारी

भूले से मत कीजिए, नारी का अपमान, नारी
जीवनदायिनी, नारी है वरदान ।

माँ बनकर देती जन्म, पत्नी बन संतान ,जीवन भर
छाया देती, नारी वृक्ष समान ।

नारी भारतवर्ष की, रखे अलग पहचान, ले आड़
यमराज से, वापस पति-प्राण ।

नारी कोमल निर्मला, होती फूल समान, वक्त पड़े तो
थाम ले, बरछी तीर-कमान ।

नारी के अंतर बसे, सहनशीलता आन,ये है मूरत
त्याग की, नित्य करे बलिदान ।

तनवी मेहरा, सातवीं 'स'

'करोना को है हराना'

हमें एक साथ चलना हैं,
करोना को मिलके हराना हैं।
हमें हौंसला बनाए रखना हैं,
करोना से दूरी बनाए रखना हैं।
हम उन सभी करोना योद्धा को सलाम करते हैं,
जो देश के लिए अपना योगदान करते हैं।
जो हमारे लिए अपने परिवार से दूर रहते हैं,
हम उनका दिल से धन्यवाद करते हैं।
हमें घर के अंदर रहना हैं,
घर से बाहर नहीं निकलना हैं।
हमें यकीन है कि हम करोना को हराएँगे,
जल्द ही अपने घर से बाहर जाएँगे ।
हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना हैं,
बाहर बिना मास्क के नहीं निकलना हैं।
हमें हर नियमों का पालन करना हैं,
इसी तरह करोना को हराना हैं।
कुछ ऐसा करके दिखाना हैं,
करोना को इस दुनिया से भगाना हैं।
जब हम रखेंगे सावधानी,
तब हम करोना से बनाऐगे दूरी।
आओ सामाजिक दूरी बनाएँ ,
करोना को मिलकर हराएँ।
तो आओ ये प्रण लेते हैं,
इस करोना को इस दुनिया से दूर भगाते हैं।।

अंजली कुमारी,बारहवीं - स

मेरा गाँव

अपना मानो देश को, मानो घर परिवार
कैसे ना हो फिर भला, कचरे का निस्तार।।

स्वच्छता मानव-समुदाय का एक आवश्यक गुण है । यह विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव के सरलतम उपायों में से एक प्रमुख उपाय है । भारत गाँवों का देश है |अगर गाँवों को भारत की आत्मा कही जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि आज भी भारत की जनसंख्या का लगभग 65% हिस्सा गाँव में ही निवास करता है |गाँव भारत के विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं क्योंकि गाँव में ही हर प्रकार की फसलों का उत्पादन होता है और वहीं से शहरों में सप्लाई किया जाता है । इसलिए कहीं ना कहीं शहर गाँव पर ही निर्भर हैं |अगर भारत में गाँव नहीं होगे तो खाने-पीने के लाले पड़ सकते हैं |गाँव के लोग बहुत ही खुशमिजाज और मिलनसार होते है। .हमारे गाँव में हर 100 मीटर पर एक कूड़ेदान मिलेगा और कोई भी व्यक्ति सड़क पर कूड़ा नहीं डालता। हमारे गाँव की सारी सड़कें पक्की बनी हुई है तथा पानी के निकासी हेतु पर्याप्त नालियाँ बनी हुई हैं, जिससे बारिश में हमारे गाँव में ना ही कीचड़ होता और ना ही पानी जमा नहीं होता है । पानी के लिये हमारे गाँव में कोई नगर पालिका जैसी व्यवस्था तो नहीं है, इसलिये हम लोग हैंडपंप का उपयोग करते है, लेकिन कुओं का उपयोग नहीं करते और सारे कुओं को हमने पाट दिया है, जिससे मच्छर आदि नहीं पनपते। हमारे गाँव की हवा एकदम स्वच्छ है, क्योंकि केवल कुछेक ट्रैक्टरों को छोड़कर हम पेट्रोल-डीजल वाले वाहनों का ज्यादा उपयोग नहीं करते और तो और हम गाँव के लोग रोज अधिक मात्रा में पेड़ लगाते

हैं । हम लोग अधिकतक साईकिलो का ही उपयोग करते हैं। कुल मिलाकर हमारे गाँव के लोगों का स्वास्थ्य अच्छा ही रहता है, और हमारे गाँव में गंदगी बिल्कुल नहीं है। इस तरह मेरा गाँव गंदगी मुक्त आदर्श गाँव है।

देशभक्ति केवल नहीं, देने से बलिदान
स्वच्छ बनायें हिन्द को, यह भी काम महान।।

अमृता चौधरी , दसवीं 'अ'

सन्देश

विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने अपने छात्रों को डॉक्टरेट, परास्नातक और स्नातक स्तर पर एक अभिव्यंजक संदेश लिखा और इसे दक्षिण अफ्रीका के एक विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर रखा। और यही संदेश है -

किसी भी राष्ट्र को टक्कर देने के लिए परमाणु बमों के उपयोग या लंबी दूरी की मिसाइलों के उपयोग की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लिए केवल शिक्षा की गुणवत्ता को कम करने और छात्रों द्वारा परीक्षाओं में धोखा देने की आवश्यकता होती है। ऐसे डॉक्टरों के हाथों मरीज की मौत हो जाती है और ऐसे इंजीनियरों के हाथों में इमारतें गिर जाती हैं | ऐसे अकाउंटेंट के हाथ में पैसा खत्म हो जाता है और मानवता ऐसे धार्मिक विद्वानों के हाथों मर जाती है | ऐसे न्यायाधीशों के हाथों न्याय खो जाता है ...

"शिक्षा का पतन राष्ट्र का पतन है"

तन्वी शर्मा, बारहवीं ‘ड’

गुरु का दर्जा

गुरु का दर्जा है सबसे महान
अरे विद्यार्थी तू ये जान,
गुरु ही ज्ञान का दीपक जलाता,
प्रकाश का मार्ग हमे दिखाता.,
गुरु के बिना है सब कुछ अज्ञान,
गुरु का दर्जा है सबसे महान।
एकलव्य जैसा शिष्य हुआ था,
कभी भारत मे भी,
गुरु ने था माँगा अंगूठा दिया तभी,
उसकी श्रद्धा जाने सारा जहान,
अरे आज के विद्यार्थी यह तू जान,
गुरु के आदर को मत समझ तू शान,
क्योंकि गुरु का दर्जा है सबसे महान।

सौरभ सिंह, बारहवीं 'अ'

शहीद

भारत माता की रक्षा का हम सबने वचन दिया है
इसकी खातिर अपने प्राणो का बलिदान किया है।
वीर शहीदों की कुरबानी पर भारत का बच्चा
बच्चा रोया है
क्या गुजरी होगी उस माँ पर जिसने दिल का
टुकड़ा खोया है ।
रणभूमि मे डटकर खड़ा रहा ,पीठ कभी न
दिखलाई
हँसते हँसते अपने सीने पर उसने थी गोली
खाई ।
देश की खातिर वो अपने बीवी बच्चो को रोता
छोड़ गया
मरता भी वो भारत माता के चरणों में हाथो को
जोड़ गया ।

शहादत इन वीरो की सहज अब बिल्कुल व्यर्थ ना जाएगी
इनकी कुरबानी से वीर जवानो में एक नई रवानी आएगी।
इनके अद्भुत शौर्य और साहस की गाथा मै गाता हूँ
इन वीरो के चरणों में मै अपना शीश झुकता हूँ ।

अनुराग सिंह, बारहवीं अ

कोशिश कर हल निकलेगा

कोशिश कर , हल निकलेगा ।
आज नहीं तो , कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा साध,
मरुस्थल से भी जल निकलेगा।
मेहनत कर , पौधों को पानी दे
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।
ताकत जुटा , हिम्मत को आग दे
फौलाद का भी बल निकलेगा।
जिंदा रख , दिल में उम्मीदों को
गरल के समंदर में भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश जारी ना कुछ कर गुजरने की
जो है आज कुछ थमा थमा सा , वह कल चल निकलेगा ।

प्रियंका राउत,बारहवीं ब

हिन्दी भाषा

हिन्दी है ऐसी भाषा,
जो कर देती पूरी आशा,
हिन्दी सबका मान बढ़ाए,
उसके ज्ञान से इंसान पूरा तर जाए,
उसके ज्ञान व गौरव को क्या कहें हम,
हमे संस्कार सिखाये इतना है इसमें दम,
हिन्दी के आगे हर भाषा ने शीश झुकाया,
हिन्दी है अपनी मात्रभाषा, फिर क्या मोह, क्या माया,
दिन रात यह सिर्फ शिष्टाचार सिखाती है,
इसको अपनाने से चारो तरफ रौनक आती है,
हम जितना इसका मान बढ़ाएँगे,
उतना ही अपनी मातृभाषा को बढ़ता हुआ पाएँगे।

सौरभ सिंह,बारहवीं 'अ'

प्रेरक प्रसंग-खुशियाँ बाँटने से मिलती है _ _ _ _ _

एक बच्चा जला देने वाली गर्मी में नंगे पैर गुलदस्ता बेच रहा था। लोग उससे भी मोलभाव कर रहे थे। एक व्यक्ति को उसके पैर देखकर बहुत दुख हुआ। व्यक्ति ने बाज़ार से नये जूते खरीदे और उसे देते हुए कहा- बेटा , लो यह जूते पहन लो । लड़के ने फौरन जूते पहन लिए। उसका चेहरा खुशी से दमक उठा था। वो उस व्यक्ति की तरफ पलटा और हाथ थाम कर पूछा, आप भगवान हो? उसने घबराकर हाथ छुड़ाया और कान को हाथ लगाकर कहा- नहीं बेटा नहीं मैं भगवान नहीं।लड़का फिर मुस्कुराया और कहा तो फिर आप जरूर भगवान के दोस्त होंगे क्योंकि मैंने कल रात भगवान से कहा था कि मुझे नए जूते दे दो। वो व्यक्ति मुस्कुरा दिया और माथे को चूम कर अपने घर की तरफ चल पड़ा। अब वो व्यक्ति भी जान चुका था कि भगवान का दोस्त होना कोई मुश्किल काम नहीं। खुशियाँ बाँटने से मिलती हैं।

आशाएँ ऐसी हो जो , मंज़िल तक ले जाए
मंज़िल ऐसी हो जो , जीवन जीना सीखा दे
जीवन ऐसा हो जो , संबंध की कदर करे
और संबंध एसे हो जो , याद करने पर मजबूर कर दे
दुनिया के रैन बसेरे में, पता नहीं कितने दिन रहना है
जीत को सबके दिलों को , बस यही जीवन का गहना है।

शालिनी, बारहवीं 'ब'

आत्मनिर्भर

मैं हूँ आत्मनिर्भर , अब तू आ मुसीबत
डरूँगा ना तुझसे ये वायदा है मेरा,
ऊचाईयों को छूने का इरादा है मेरा,
ना रह तू गलत फहमी में,
आ तुझे दिखा दूँ मैं हकीकत।
मेरे हौसले है बुलंद, तू आ मुसीबत ।
बहाने बनाना छोड़ दिया ,
करके निश्चय जीत का,
खुद को मंजिल की ओर मोड़ दिया,
हँसी करने वालों को,
अब मैं साबित करूंगा गलत,
मैं हूँ दृढ़निश्चयी, अब तू आ मुसीबत ।
हवाओं से आगे निकल जाऊँगा,
तुझे हराकर पीछे छोड़कर,
अपना एक मुकाम बनाऊँगा,
मैं हूँ अब आत्मनिर्भर, तू आ मुसीबत ।

सौरभ सिंह,बारहवीं 'अ'

Hope

Hope a little , jump a little
One two three
Run a little , skip a little
Tap one knee
Bend a little , stretch a little
Nod your head
Yawn a little , sleep a little
In your bed.

Sharanya
Class 2A

VALUES OF GAMES AND SPORTS

Games and Sports are part and parcel of education. They play an important role to keep us physically and mentally fit. It is a famous saying that "A healthy mind resides (lives) in a healthy body". It is only games which make us physically and mentally sound. They are like golden coins whose currency is forever. "All work and no play make Jack a dull boy". So without Games and Sports our youngsters would become cowards, lethargic and imbeciles. One of the most effective and time tested ways to ensure healthy growth of child and mind is to take active part Games and Sports. The aim of education is "All round development of the personality of the students". Unless they are bodily fit, they cannot be mentally competent. Games and Sports also inculcate team work, patience, and sense of justice, courage, endurance and co-operation. These are the qualities of head and heart which can also acquired by playing different games. Games and Sports also relieve us from all worries and also help us to become a useful member of society. A true plays never plays for the sake of winning. He accepts defeat with the smiling face which encourages her to make great efforts in future. So, Games and Sports should make compulsory in schools.

Aaryahi Abrol
Class 2B

INSPIRATIONAL THOUGHTS

•Life is like a sports win or defeat doesn't matter ,participation must . So accept challenges in life for achievement.

•Honest relations are just like WATER no colour , no shape, no space but still very important for life.

•Make sure that only one thing can stop you from achieving anything in life is DEATH.

•Help yourself to be happy, don't feed your mind with negative thoughts.

Bhavya Gupta
Class 2C

CORONA VIRUS

We can't go to malls,
Nor can we go to waterfalls,
Because this virus is scaring,
Sending our spines into a shivering .
If you have to go out, think twice,
Wear your mask, be wise.
After coming home, sanitise,
And wash your hands thrice.
COVID – 19 is the name.
It is playing a hide- and –seek game.

Charvi
2nd C

BENEFITS OF EARLY RISING

It is greatly beneficial to get early in the morning. The sky is red and the sun is not visible. Lots of positivity is there in the atmosphere. Cool breeze is blowing . Green plants look very fresh. It is very soothing to se green plants in the morning. The droplet of dew shines like a pearl on the leaves of plant.

We feel energetic and happy in the morning . We can utilize the time for yoga and exercise . Students can utilize the time for studies . Players , singers, and artists can practice in the morning . When we get early in the morning , we get extra time to work . Ass per a survey if you get up early in the morning daily you get a whole extra month at the end of the year.

Shivangika Singh
Class – 3A

LIFE

Life Is Too Short
So Be Quick And Be Smart
Keep Heading Towards Your Path.
Push Yourself And Make A Start.
Obstacles May Defiantly Comes On The Way
Don't Pay Heads To What Others Say
I Wish I Reach Too Far
Gaze The Shimmering Star

APEKSHA
CLASS – 3A

"Month and days"

Thirty days have September,
April, June, and November;
February has twenty-eight alone.
All the rest have thirty-one,
Excepting leap-year—that's the time
When February's days are twenty-nine.

Paritushti
Class: 2nd B

Your Best

If you always try best
Then you will never have to wonder
About what you could have done
If you had summoned all your thunder.
And if your bset
Was not as good
As you hoped it would be
You still could say,
"I gave today all that I had in me"

Sarvagya
Class-3A

TREES

Trees, they're there everyday
And under them, we can play.
Their leaves can be green
And trees are never mean.
Please let them stay
So just don't fray.
Keep them clean
Don't let them lean.
Let them thrive.
And they'll keep us alive.

By: Advik Verma
Class-2nd C

Life Is An Adventure

Life is an adventure
Brand new every day
If you take with you that attitude
As you are on your way
You never know the comes and goes
As you step foot outside
Life is an adventure
Relish the surprise

Life is an adventure
You take at every turn
Where you find around the corner there hides
Lessons to be learned
In every situation
In every give and take
Life is an adventure
You make along the way

Life is an adventure
Pull the curtain to the side
Let the darkness escape or get out of the way
Either or, let in the light
From all that you see to the farthest of reach
You need to make up your mind
Life is an adventure
Let your adventure shine

MAHEEP SHARMA
Class 3-D

"My School"

Stars are many
But moon is one
Gems are many
But Kohinoor is one
Friends are many
But best friend is one
Rays are many
But sun is one
Countries are many
But India is one
Schools are many
But KV No.1 Udhampur
Is the best one!!!

Aryan Angural,
Class-3 A

TREES

Trees, they're there everyday
And under them, you can play.
Their leaves can be green,
And trees are never mean.
Please let them stay,
So just don't fray.
Keep them clean,
Don't let them lean.
Let them thrive,
And they will keep you alive.

Aarav Singh
Class 3-D

Journey of Last Three Years

The school where I study, KV No.1 Udhampur is the best school in our district. I started my journey in year 2016 by entering in this school. I was excited and also very nervous because I didnot know anyone but I was happy because I know that it will be very interesting to meet new students. I was started my new phase of life on that day in the school premises.That moment I entered in the school is the most beautiful moment for me. Now I had finished my three years of study in my school and at present I am in fourth class. The experience of my journey from April 2016 to March 2020 was very colourful and learnable because I learnt many new things and also made new friends. I wish that the upcoming journey will also be beautiful and learnable as same as my last three years journey.

Viraj
Class - 4th A

A POEM ON SCHOOL

Stars are many
But moon is one .

Friends are many
But best friend is one

Countries are many
But India is one

Schools are many
But my school is the best one .

Gudia Rani
Class – 3 E

MY MOTHER

My mother name is Sandhya Devi .
She is very hardworking homemaker .
She teaches me good habits and moral values .
When I come home from school , she makes my favourite dish .
She takes care of everyone in our family .
She help me in my studies and homework .
She always prays for the sound health of everyone in my family .
She tells me amazing stories when I go to bed .
She is the best mother in the world .

Anchal Bhagat,
Class- 3 E

Water

Water is the basic requirement of our body and life. Water is also named as "Life " because of being important element for all the living beings .Nothing can survive without water on the earth. However only 2% of the Water is usable for us. At some places in India , people face Water scarcity and drought condition , whereas ,in other places there is plenty of water available. So, the people living in areas with plenty of Water must realize its importance and SAVE WATER.

Raghav Sharma, 4thA

Online Classes

Schools are not closed; buildings are, Teacher's are not off-duty,
Even in this pandemic situation they are teaching us on Google meet like so fine.Once upon a time students used to avoid going school and hide themselves at home. But now the time has come; Home is the only medium of studying all the time
Well that's not the end, It's just the beginning of new fun i.e. "Online Classes".
For the very 15 minutes, Students use to ask "Sir/Madam, Am I audible?
Then the tiny todders think, "My eyes won't strain while watching cartoon for the whole day
But while I am watching any teacher's live classes, it will definitely strain"
Some students try to be oversmart and leave online class after login into,
But the teachers are afterall their Guru, they make sure that each and every student open their camera, to spoil the idea of student to bunk these precious online classes.
Apart from all this fun, then comes the serious part of online classes,
The exam day in which 40/40 students , succeed to gain full marks, WOW!
But isn't this funny the student with zero internet in studies scores more marks than a topper in online test? Keeping everything aside and proudly saying "Hatsoff to all the teachers as everyone is delighted to see their efforts in this situation, beside having family and personal issues. All teachers are giving their best to make sure that students do not face problem in studies.

Wrapping it up saying, Let’s stay at home and follow this lockdown. Also co-operate with your teachers to save mankind and the world around.

Name- Samridh Singh
Class- 5A

POEM- CLOCKATOOS

The Clockatoos are never late, They are always on time.
But if they’re tardy, it may mean, their clocks have failed to chime.
And when their clocks are broken, they weep about their plight.
Till someone comes and pats their head, and sets their insides right.

Kartik Singh,5A

STORY- THE LION AND THE COW

Once upon a time there lived four cows in the forest. Everyday they used to graze together in a particular spot. They all were good friends. All grazed together, lived together and also ate together. Once there came a lion and thought he can hunt those cows but when the cows got to know that the lion was there they fought with the lion. With unity they made him run away. One day all the cows got involved in a quarrel with each other and started to do everything seperately. And then the lion got the chance through which he killed all those cows one by one.

Moral: Unity is strength.

Tanisha,5A

POEM - VIRUS CORONA

Covid-19 says that, I travel faster than lightning speed
Can infect even the king to bleed
Impossible for those who don't try
Even though you will win the war, at your knees we will not cry!
Your birth place is China and you speed everywhere in the world
You have sucked the blood of many, like a wild snake
To arrest you, our doctors just like God how much effort they did take
King Covid-19, King Covid-19, we beg for your mercy
Please spare us from you ungrateful treachery.

Gourika Thakur
Class-5A

Why god made teachers

When god created teachers, He gave us special friends
To help us understand his world And truly comprehend
The beauty and the wonder of everything we see,
And become a better person with each discovery
When god created teachers, He gave us special guides
To show us ways in which to grow So we can all decide
How to live and how to do What s right instead of wrong
To lead us so we can lead And learn how to be strong
Why god created teachers, In his wisdom and his grace was
to help us learn to make our world
A better , wiser place

M.Pooja,
Class- 5B

EARLS OF WISDOM

1.Stay focused on your goals, not your immediate problems.
2.When god takes something away from your hand. He is not punishing you but merely empty your hands for you to receive something better.
3.Success is the adder which cannot be climbed with your hands in the pocket.
4.Fear is that little darkroom where negatives are developed.
5.The greater, obstacle , more the glory in overcoming it.
6.He who rules passion and fears is more than a king.
7.Troubles are like a washing machine. They twist, turn and knock us around, but in the end we come out brighter and better than before.
8.Be good and good till it becomes a habit.

Atisha sharma,
Class-5B

THE JAR AND IT'S LID

Once upon a time, there lives a glass jar in the Pot ,s village. It had a lid as its partner. One day, it was going to the king's palace along with the lid. It was very tired. It didn't want to carry the lid.
"You are useless. Go away!"
The jar had no lid. An ant got the smell of fresh milk. The ant wanted the milk from the jar "An ant is chasing me. I should run!"
A butterfly and a spider were playing near-by. They saw the jar and started chasing it. An umbrella too saw the jar "Where is your lid, Mr.jar? The jar same how reached the palace AN axe was guarding the main gate. "Please come back! Please!" The jar found its lid in a park. It cried and asked the lid to forgive it. "I am really sorry! Please come back." They became a team again. The never quarreled with its lid again.

Niharika Sharma
Class-5B

DO THIS DAY AND NIGHT

Day and night
Let's not quit the fight
to do what's right,
to keep trees in sight.
Day and night
let's do what we can
to make it a better land,
for animals and man.
Day and night
We must keep in mind
Earth is one of a kind,
We change our ways
or be left behind.

Sparsh Baboria,
Class- 5 C

Why me?

If you have to ask Why me ?
When you're feeling really blue ,
When the world has turned against you And you don't know what to do ,
When it pours colossal raindrops
And the road's a winding mess ,
And you're feeling more confused
Than you ever could express
When the saddened sun won't shine,
When the starts will not align,
When you'd rather be
Inside your bed ,
The covers pulled
Above your head ,
When life is something
That you dread
And you have to ask Why me ?.......

Then when the world seems right and true ,
When rain has left a gentle dew ,
When you feel happy being you ,
Please ask yourself Why me ? then , too.

Vansh
Class : 5D

POEM ON COVID-19

Don’t go in flight,
Washing hands is right.
Stay safe at home ,
Otherwise it will harm.
Don’t mingle ,
Always be single.
When carelessness increases,
Population decreases.
Isolation is the only way,
To fight against corona virus, i say.

Hansit, 5 E

TIPS TO BE SAFE FROM CORONA

1.Wash your hands often for atleast 20 seconds.
2. You can use a sanitizer with atleast 60% alcohol to wash your hands as well.
3.Try to avoid contact with people who are sick.
4.Keep yourself in check for symptoms of covid 19, such as cold, dry cough , breathing difficulties .
5.Contact your doctor immediately if you find covid-19 symptoms.
6.Make sure to avoid going in crowded places.
7.Keep atleast 1 metre distance from everyone.
8.Stay home, stay safe.

Hanshit , 5E

The Role Of Money In Our Life

Since early childhood, we are being told : “If money is lost, nothing is lost; if health is lost, something is lost but if character is lost, everything is lost”. Yet we find people running after wealth from the cradle to the grave. So, it is difficult to agree with the old saying.
The truth is that human beings are made of body and soul. For those who do not believe in soul, I would replace the word ‘soul’ with mind. As far as the body is concerned, money is of the highest importance. We can’t maintain this body without the things which money gives us. But soul or mind is equally if not more important for us. For

them great ideas and good character is important. So I will conclude that money has an important role to play but it is not all.

RakshitRaichen ;12th A

MY MEMORIES OF ANDAMAN AND NICOBA ISLANDS

Andaman and Nicobar Island is the most beautiful place in India that I have ever visited .I got an opportunity to visit this paradise when my father who is in army was posted to Andaman and Nicobar Islands. I stayed for three years at Port Blair in Andaman and Nicobar Islands.

Everyday I, along with my family visited the coconut orchard, surrounded by the serenity of the sea. I visited the 'Cellular Jail' or 'Kala pani'.i also visited 'Indira Point'.

I had an opportunity to meet the tribal people known as 'Jarawas '. The native language of jarawas is ongan.This language was unknown to me, but one of my uncle who were an interpreter helped me in understanding their tribal language.

I was highly magnetized by the lifestyle of Jarawas .i came to know about their customs, traditions, festivals, food and social habits .

I was astonished to see the sandstone and limestone caves. I admired the stunning beauty of the nature the way the caves were sculpted by nature, the beauty was divine. The dense mangrove forest with lush greenery and furious wild animals was worth visiting.

'Havelock Island' one of the most famous tourist places of Andaman and Nicobar Islands is known for its dive sites and beaches.

It is a popular spot for watching the sunset. I also enjoyed the breath-taking the submarine life; saw many types of underwater animals, colourful fishes and sea vegetation.

The sea- beaches, the sea food and the sea beauty all impressed me so much that almost everyday we enjoyed the sea beaches, relished the sea food and admired the sea waves and tides of the vast ocean.

Andaman was the place where I decked up myself with sea-jewellery. The sea- jewellery is made of sea treasures like sea shells and pearls .I still possess few items of jewellery, which is a part of my jewellery box.

I really miss my school and teachers. The teachers were very helpful and cooperative and my friends were very friendly that I enjoyed every moment with them .I can still feel the warmth of cordial

relationship. In my school I was famous as a 'chatterbox'.
Oh, I really miss my Andaman and Nicobar and if future favours me then it would the first destination which I would like to visit.
MY ANDAMAN , MY DESTINATION……

- ARDRA S KURUP
Class 10 D

STORY IN CORONA

One day Dheeraj goes to his village to meet his mother at his home and he spends a lot time with his mother. When he starts eating and he feels that his health is not right as soon as he sees that he is having fever, he tells his mother that I am not feeling well, so I take rest. After some time, mother found me sick and also I have a cold. When the mother tries to touch me I endurance tops her completely, but mother asks why I can't touch you. He says that mother, I think I have an epidemic disease like corona. So, now, I have to stay away from you and I will quarantine. After a few days, Dheeraj comes out of his room; he would have been all right. Dheeraj's mother speaks to him that what happened to you. Dheeraj speaks; I had a simple fever, which I have now recovered. His mother prays to God and says, 'Thank God my son is fine. In a while, he started calling the children and explaining to them what is the meaning of corona. Children kept listening very carefully to Dheeraj and Dheeraj was very happy that those children understood him. Gradually, he started explaining to the people, how we can use mask and sanitizer and what precautions we can take to fight against corona virus. In this way, the people there become aware of the disease.

Aanandita Trehan
Class :- 10 'B'

A Powerful Story

A man and a young teenage boy checked into a hotel and were shown to their room. The receptionist noted the quiet manner of the guests and the pale appearance of the boy. Later, the man and boy ate dinner in the hotel restaurant.

The staff again noticed that the two guests were very quiet and that the boy seemed disinterested in his food.

After eating, the boy went to his room and the man went to ask the receptionist to see the manager. The receptionist initially asked if there was a problem with the service or the room, and offered to fix things, but the man said that there was no problem of the sort and repeated his request.

When the manager appeared, he took him aside and explained that he was spending the night in the hotel with his fourteen-year-old son, who was seriously ill, probably terminally so. The boy was very soon to undergo therapy, which would cause him to lose his hair. They had come to the hotel to have a break together and also because the boy planned to shave his head, that night, rather than feel that the illness was beating him. The father said that he would be shaving his own head too, in support of his son.

He asked that staff be respectful when the two of them came to breakfast with their shaved heads.

The manager assured the father that he would inform all staff and that they would behave appropriately.

The following morning the father and son entered the restaurant for breakfast. There they saw the four male restaurant staff attending to their duties, perfectly normally, all with shaved heads.

No matter what business you are in, you can help people and you can make a difference.

-Souhard Gupta
CLASS - 9 – A

NEVER FORGET

Education is a journey not a destination.
The greatest loss is the loss of confidence.
To have balance in all situations is the key to happiness.

Enjoy the day 'Everyday'.
Be like a flower which mesmerizes the world that crushes it.
The blue bird carries the sky on its back.

Treat today as if you would not exist tomorrow.
There is no achievement without objectives.
Beauty lies in the eyes of the behaviour.

Heroes and winners are not the same.
Nothing but heart can change heart.
Knowledge is the frontier of tomorrow.

An injury is much sooner forgotten than an insult.
Pray for the death and struggle for living.
To achieve the best,you have got to give your best.

Reading without thinking is like eating without digesting.
Attitude is little thing which makes a big difference.

M.Arya
9 B

AATMA NIRBHAR BHARAT- SWATANTRA BHARAT

Aatam Nirbhar Bharat is a vision of the pride Prime Minister of India Narendra Modi of making India a self-reliant nation. The first mention of this came in the form of the 'Atma Nirbhar Bharata Abhiyan" or "Self-Reliant India Mission" during the announcement of the coronavirus pandemic related economic package on 12May 2020. PM Modi's Self-Reliant India Mission economic package.-This self-reliant policy does not aim to be protectionist in nature and as the Finance Minister clarified ,"self-reliant India does not mean cutting off from rest of the world" "to spur growth": Nirmala Sitaraman on PM Modi's Atama Nirbhar The law and IT minister,[Ravi Shankar Prasad], said that self-reliance does "not mean isolating away from the world. Foreign direct investment is welcome, technology is welcome. Self-Reliant India translates to being a bigger and more important part of the global economy. Need to tap artificial Intelligence to fight Prasad. For Aatm Nirbhar Bharat the Indian constitution and democracy are the biggest enablers. India at 75: A nation marching towards Aatm Nirbhar Bharat. Aatm Nirbhar Bharat through Ek Bharat Shreshth Bharat. Innovations thrives when there is unity in diversity. Digital India opportunity in COVID-19 and beyond. Aatm Nirbhar Bharat- Role of students in national development. Aatm Nirbhar Bharat: Independence from gender, caste and ethnic biases. It on making of a new India through biodiversity and agriculture prosperity. While I exercise my rights, I must not forget to undertake my duties to usher in an Aatm Nirbhar Bharat. My physical fitness is my wealth that will build the human capital for Aatm Nirbhar Bharat. conserve blue to go green for an Aatm Nirbhar Bharat. foreign direct investment is welcome self-reliant India. Translates to being a bigger and more important part of the global economy. This campaign also focuses on-ensuring health and wellbeing for all ,achieving sustainable development with concerns of environment rooted in all initiatives, optimizing resources mobilizing and develop quality indicators to map interventions, strengthening the efforts to bridge all forms of inequalities including social and economic divide for enabling each and every

individual to enjoy the fruits of progress, evolving multifarious approaches to address natural and human calamities with our own strength and reservoir of resources, develop scientific and technical knowledge for innovating strategies to overcome barriers to development. The present pandemic, covid-19, as our honorable prime minister reminds us, has once again brought to the forefront with our commitment to address challenges of life with thrust on our own capabilities and abilities. “AatmNirbhar banega Bharat,tbhi toh badhega Bharat”

Shubham Raina
Class: 9-A

AIM OF LIFE

Go on with your studies,
My dear, go on with your studies.
Use it according to the demands of the time,
Or life will be a very hard climb.
If you sleep all the time in any season,
Believe it, you will have to weep with reason.

If you really want to pass,
Daily you must attend class,
And go on with your studies,
My dear, go on with your studies.

Come out of nest and face the test,
To make your future bright and best.
You should be busy in your mission,
As you are the future of nation.

Work hard for the decided aim,
Work hard for name and fame,
And go on with your studies,
My dear, go on with your studies.

Akhila N
10-E

BOOKS

You flip through me
You search and you find
I have tons of knowledge
To share it I don't mind
JUST take care of me
PLEASE be kind
FOR you, all the past I will rewind
BUT be careful , my loss pages
DO bind
YOU can take a trip to the sun
WHILE eating a treat and having fun
BEFORE quiz take a look at me
ANDyou will easily win, you will see
I`LL give you facts about nature
AND you may turn out to be a
GREAT person in future

Anmol koul
Class -8th C

DONT GIVE UP

Why are you so scared ?
That you hide behind black doors.
Let the world know
You are stronger than
The things that break you.
If there are difficulties
in your life, do not worry
God is the master director
Who tests best actors
So, you go dear
Higher ,master, further, stronger
Today, everyday, always you go dear
Don’t give up you are free
To be the greatest.

MATANGI
Class-10 E

EXAMINATION

Oh! Its examination
Hindi for composition
History for civilization
Biology for evolution
Geography for population
English for comprehension
Maths for calculation
Physics for revolution
Chemistry for observation
Civics for constitution
I have come to this conclusion
Oh! Its examination

Malavika Nair
10 E

#FACTS

1.A person can die fast without sleep as compared to hunger.
2.The real name of Bangkok is of 168 letters. Interesting. No?
3.Like humans Koala and Primates also have unique fingerprints.
4.Lightning hits Oak trees more than the normal trees.
5.There is only one floating post office situated in India.
6.Plus(+) and Minus(-) is first time used in 1489 A.D.
7.North Korea and Cuba are the only places where you can't buy Coca Cola.
8.The hottest chilli pepper in the world is so hot that it could kill you.
9.Sharks do not sleep.
10.Snails have 14000 teeth!
11.Many people believe that sky is blue because sky is a mirror and we see the ocean's reflection. Don't you think that then we should see our reflection in the sky. Pretty weird!
12.Do you know that what we call a chicken as Turkey, in Turkish language they are called Hindi.

M Kavi Kumar
Class- 10 E

Good things

I once heard an old man say,
Shaping vases out of clay.
Into subtle forms sublime,
Listen, son good things take time.

All my life i have thought of this,
When a task was lacking bliss.
When the work seemed awfully tough,
And i thought i had had enough.

So i'd give a little more,
To what sometimes seemed a chore.
And you know without a doubt,
Good things always came about.

Lavanya
Class- 6B

LET NO ONE STEAL YOUR DREAMS

Let no one steal your dreams
Let no one tear apart
The burning of ambition
That fires the drive inside your heart.

Let no one steal your dreams
Let no one tell you that you can't
Let no one hold you back
Let no one tell you that you won't.
Set your sights and keep them fixed
Set your sights on high
Let no one steal your dreams
Your only limit is the sky.
Let no one steal your dreams
Follow your heart
Follow your soul
For only when you follow them
Will you feel truly whole
Set your sights and keep them fixed
Set your sights on high
Let no one steal your dreams

JOKES

1.JOKE :
TEACHER : count 1 to 10
STUDENT : 1,2,3,4,5,7,8,9,10
TEACHER :" where is 6 , you didn't count it "
STUDENT : Today in the morning news , l heard that 6 died in a road accident .

2. JOKE :
TEACHER : what is Microsoft Excel ?
STUDENT : It is new branch of surf Excel to clean the computer .

RITIKA
CLASS - 8 C

Your only limit is the sky ...

Vanshika Gupta
Class : 10 C

MOM

Mom is such
A special word
The lovelist
I've ever heard

A toast to you
Above all the rest
Mom you are so special
You are simply
the best.

Khushi Sharma
Class - 8 C

TOPIC - LOCKDOWN DIARY

Just after the holiday was declared I was in chill mode, I spent the first few days like there was no school ever after. I watched a lot of You tube video. I also restarted playing Computer which I didn't do for a very long time. For a week I and my sister were alone at home. I really miss restaurant food now, it has been more than a month since I am eating only homemade food. My parents didn’t allow us to eat outside food . I curse myself for ignoring a lot of restaurants in the locality when there was no covid.
I have consistently been able to manage myself alone at home. At least making dosas if there is batter at home, sandwiches, egg etc. Since quarantine started my urge to explore more food increased and also my urge to cook and eat as well. So within a short time, I tried out many dishes- Chilly Potato, Chapati, Potato curry, Egg roast, Paneer and many more .I am still determined to continue improving cooking and eating throughout the lockdown and post lockdown also. Self-Quarantine days are one of the rare time I had ever got. It may not be the best moment ever, but it is enough to make an impact in my life that I will never forget. Certainly, these moments will stay in my heart and thus I decided to document this.

Kanika.
Class-10 C

MOTHER

M: Is For The Million Things She Does For Me.
O: Means Only That She Is Growing Old.
T: Is For The Tears She Shed To Save Me.
H: Is For The Heart Of Purest Gold.
E: Is For Her Eyes With Love Light Shining.
R: Means Right And Rightb She ‘Ll Always Be.
Put Them Altoghter They Spell Mother.
A WORD THAT MEANS THE WORLD TO ME.

Ayush Kumar
Class- 6TH B

SOLDIER

He defends the border and gives his life,
Leaving behind his children and his wife.
He is very friendly and kind,
For him his duty is everything, don't mind.
On the border he is vigilant,
And can never be negligent.
To become a soldier he has to under go training,
He does not mind if it is snowing or raining.
Respect a soldier who is a patriot,
Always salute his memorial and his grave**.**

Nikhila N
Class-6 B

Trees

I think that l shall never see
A poem lovely as a tree .

A tree whose hungry mouth is prest
Against the earth 's Sweet flowing breast ,

A tree that looks at God all day
And lifts her leafy arms to pray.,

Upon whose bosom snow has lain.,
Who intimately lives with rain.

Poems are made by fools like me,
But only god can make a tree.

Riya
Class -8 C

Why God Made Teachers

When God created teachers,
He gave us special friend,
To help us understand His world
And truly comprehend
The beautiful and wonder
Of everything we see
And become a butter person
With each discovery

When God created teachers,
He gave us special guide
To show us special side
So we can all decide
How to live and how to do
What's right instead of wrong
To lead how to be strong

Why God created teachers
In His wisdom and his grace
Was to help us to make our world
A better , wiser place.

Aswathy.S
Class 8

Why me?

If you have to ask Why me?
When you are feeling really blue,
When the world has turned against you
And you don't know what to do.
When it pours colossal raindrops.
And the road's a winding mess.
And you feeling more confused,
Then you ever could express.

When the saddened sun won't shine,
When the stars will not align.
When you be rather be
Inside your bed,
The covers pulled
Above your head.
When life is something
And you dread
And you have to ask
Why. Me…..?

Naynakalsotra
Class- 8 A

YOUR BEST

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder.

And if your best
Was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave to day
All that I had in me,,

Nikshav Singh
Class : 8 A

HAPPINESS

So early it's still almost dark out.
I'm near the window with coffee,
and the usual early morning stuff
that passes for thought.

When I see the boy and his friend
walking up the road
to deliver the newspaper.

They wear caps and sweaters,
and one boy has a bag over his shoulder.
They are so happy
they aren't saying anything, these boys.

I think if they could, they would take
each other's arm.
It's early in the morning,
and they are doing this thing together.

They come on, slowly.
The sky is taking on light,
though the moon still hangs pale over the water.

Such beauty that for a minute
death and ambition, even love,
doesn't enter into this.

Happiness. It comes on
unexpectedly. And goes beyond, really,
any early morning talk about it.

Urvi
Class 8 B

TIME IS SO POWERFUL

“ Never have I seen
such a mess in life.

The air is pure but
wearing a mask is
mandatory.

Roads are empty
but it is impossible
to go on long drive.

People have clean
hands but there is a
ban on shaking hands.

Friends have time to
sit together but they
cannot get together.

The cook inside you
is crazy, but you cannot
call anyone for lunch or
dinner.

Every Monday,
the heart longs to go out, but the weekend does
not seem to end.

Those who have money

To My Father

There was a time
When not so long ago
A newborn had cried her first tea
As she entered into a strange new world.

A man held her with a certain strength
As tears of confusion ran down the newborn’s face.
He knew in his heart this girl was special,
And with that he vowed to give this child a place in his heart.

As time went by,
The girl had began to grow.
She had learned to talk
And she learned how to walk.

With each step the girl took,
The man had been by her side,
To guide her when she didn’t know where to go,
To comfort her whenever she fell.

His mission every day.
Was to make this girl smile,
To hear her young, innocent laugh,
To make her giggle.

More years had come and gone
As the girl was in her first year of middle school.
There were days where she would come home with tears in her eyes
That would send a sad, cold knife through the man’s heart.

He would sit there and console her for as long as needed
And had wiped salty tears from her cheek
As he told her that it would be okay,
That it wasn’t the end of the world.

There were times when she walked through the door with an evil frown
As she spat cruel words of anger towards the man she loved.
Never did the man love her any less in hearing her words

have no way to spend it.

Those who don't have
money have no way to
earn it.

There is enough time
on hand but you can't
fulfill your dreams.

The culprit is all around
but cannot be seen.

A world full of irony!
Be positive but test negative.”....

Aradya Gupta ,
Class-12 D

Mother

Mothers are nice,
Mothers are cool,
Mothers take us
To different
Places and school.
Mothers and strong,
Mothers take care,
When things go
Wrong,
Mothers are kind.
Mothers are sweet,
Mothers give us
All sorts of treat,
Take their blessings by,
Touching their
Feet.
For Mothers

SejalChoudhary
Class 6A

But did scold her in hopes that she would learn.

Time went on,
And it was the girl’s middle school graduation.
As she and her fellow classmates wore caps and gowns,
The man and his wonderful wife were watching with pride.

Never had the two been so proud
As when the girl went up to accept her award.
Standing there with the girl in the lens of a camera,
He snapped multiple pictures to cherish the moment.

The man had been with the girl through thick and thin,
Through bloody cuts and ugly bruises,
Through smiles and tears,
Through screams of anger and shrieks of laughter.

This man had not only kept his vow to that newborn
But did so much more.
Only a man like him could give his love
So unselfishly.

That is why he is not only an amazing father
But also the most amazing friend I could ever ask for.

Naraynee Sharma
Class- 10A

AN OPEN LETTER TO THE PRIME MINISTER

To
The Prime Minister
7 Lok Kalyan Marg
New Delhi

Respected Sir.
From the bottom of my heart I am sending my humble regards. We are very lucky to have the most popular leader of the world, as our P M. Sir, you are my inspiration .I am sure that soon you will read this letter .I have a request which I want to lay before you for your kind consideration.
Sir, first of all I want to congratulate you for the great success of SWATCHA BHARAT MISSION. Though we are the beneficiaries of the Mission, but you are the whistle blower. When you lunched the Mission Politicians, Burocrates, Businessmen, Film Actors , common man and students like me, took part and contributed for the

Cruelty on Animals

Humanity's true moral test, fundamental test consist of its attitude towards those who are at its mercy; animals

Sadly various animals are exploited cruelly. This scene is there on the roads before common people and thosebelonging to the government agencies. These agencies protect the animal in the right spirit but on paper only.

This cruelty towards animals is due to the various reasons. Forinstance 35% of the people have indifferent attitudes towardsanimal's cruelty 15% believe that animals are man's slaves.

But it is a hard fact that animals are treated cruelly. We see them being beaten when they can't pull loads then they are boiled alive for medicinal purposes.

Animals are our friends and necessary for the survival. They maintain the ecological balance of the nature. Beating the animals on the roads shows our apathy towards the. There is the society for prevention of cruelty to animals we should report to it if we see cruelty to them.

A serious view should be taken by the government officials. They must work for the animal's interests. We should know that animals are like us, living being and feel pain & pleasure like us.

Rishab Kumar
Class – 10 B

Mission .You took initiative , made the plan and set the target .As a result we achieved the success.

Now my request to you , please lunch SWATCHA BHARAT MISSION – II, to clean the corruptions deeply rooted in our country . According to the 2019 Corruption Perceptions Index reported by Transparency International, India was at the 80th corrupt country out of 180 countries. Scams like Coal Allocation Scam-2012 of 186000 Crore,2G Scam -2008 of 176000 Crore,Wakf Board Land Scam-2012 of 150000 Crore,Common Wealth Game Scam -2010 of 70000 Crore,Telgi Stamp Paper Scam -2002 of 20000 Crore,Satyam Scam -2009 of14000 Crore,Bofors Scam -1980s and 1990s of 100 to 200 Crore,Fodder Scam -1990s of 1000 Crore,The Hawala Scandle 1990-91 of 100 Crore,Harshad Mehta & Ketan Parekh Stock Market Scam- 1992 of 5000 Crore and many more . In Mar. 2018 ,it was revealed that the amount of Indian black money currently present in Swiss and other banks is estimated to be Rupees 300 lakh crores. Now during the Global Pandemic some people selling duplicate medical equipments and medicines .All these are garbage to be clean , to make a clean India i,e SWATCH BHARAT.

Sir please blow the whistle ,set the target and lunch SWATCH BHARAT MISSION –II . Like the first one it will be also successful by the participation of all. By working on both missions we can make a really Clean India.

Awaiting your response. Thank you.

One of your followers
Subhashish Dash
1st July, 2020.

Subhashish Dash
Class -9 D

DAY OF THE WEEK

Monday alone
Tuesday together
Wednesday we walk
When it's fine weather.
Thursday we laugh,
Friday we pray,
Saturday's horse
Seems almost to fly
But of all the days,
We have Sunday the rest day,
The best day of all.

Prachi
Class-7 B

Life is precious

The gracefulness,
Of a butterfly....
How gentle ,
And fragile they seem.....
Gently fluttering ,
On a calm summer's day ....
Floating like ,
A dream ......
But sadly
There time is over ,
Hardly before.....
It's begun
So enjoy
Your special moments,
Like a butterfly,
In the sun...........

Bhrikuti sharma
Class – 7 B

TWO HEADED BIRDS

Once upon a time ,a strange bird lived by the side of a river
His name was parundam . He had two heads and one stomach .
For the two heads there were two mouths one for each one .
One day the bird is wondering for his food , after a long time he got a prey
He was very happy.
The first mouth is about to eat the full prey . The second mouth stopped
the first mouth , and demanded half of the prey .
" I will not give you anything " , said the first mouth and ate all the prey .
The other mouth got angry. In order to take revenge , it decided to do
One thing , it searched and gulped the poison it found.
"Through the months are two and the stomach is only one...... the same
Stomach..... it not it ." ?
So , the poison spread all over the body . The strange bird died
&Moral of the story is : UNITY IS STRENGTH

BHRKUTI SHARMA
Class -7 B

आर्यभटः

476 तमें खिस्ताब्दे (षट्सप्त त्य अधिक चतुः शततमेवर्षे) आर्यभटः जन्म लब्धवानिति तेनैव विरचिते 'आर्यभटीयम इत्यस्मिन ग्रन्थेउल्लिखितम्। ग्रन्थोऽतेनत्रयेविशंतितमें वयसि विरचितः। ऐतिहासिकस्त्रोतोभिः ज्ञायते यत् पाटलिपुत्रम् निकषा आर्यभटस्य वेधशाला आसीत। अनेन इदम् अनुमीयते यत् तस्य कर्मभूमिः पाटलिपुत्रमेव आसीत्। आर्यभटस्य योगदानं गणितज्योतिषां सम्बद्धम् वर्तते यत्र संख्यानाम आकलंनम् महत्वम् आदधाति। आर्यभटः फलितज्योतिषशास्त्रे न विश्वसिति स्म। गणितीयपद्धत्या कृतम् आकलमाधृत्य एवं तेन प्रतिपादितम् यद् ग्रहणे राहुकेतुनामकौ दानवौ नास्ति कारणम्। तत्र तु सूर्यचन्द्रपृथिवी इति त्रीणि एवं कारणानि।सूर्य परितः भ्रमन्त्याः, चन्द्रस्य परिक्रमापथेन संयोगाद् ग्रहणं भवति। यदा पृथिव्याः छायापातेन चन्द्रस्य प्रकाशः अवरूध्यते तदा चन्द्रग्रहणं भवति। तथैव पृथ्वीसूर्ययोः मध्ये समागतस्य चन्द्रस्य छायापातेन सूर्यग्रहणं भवति। समाजे नूतनानां विचाराणां स्वीकारणे प्रायः सामान्यजनाः कठिन्यमनुभवन्ति। भारतीयः शास्त्रे तथैव आर्यभटस्य विरोध अभवत। तस्य सिद्धान्त उपेक्षिताः। पण्डितमन्यनाम् उपहासपात्रम् जातः। पुनरपि तस्य च सिद्धान्ते समादरः प्रकटितः। अस्मादेव कारणाद् अस्माकं प्रथमोपग्रहस्य नाम आर्यभट इति कृतम। वस्तुतः भारतीयायाः गणितपरम्परायाः अथ चं परम्परायाः असौ एकः शिखरपुरुषः आसीत्।

अक्षरा शर्मा

छठी - ई

संस्कृतजीवनम्

संस्कृत भाषाणां जननी अस्ति।
संस्कृत प्राचीनतम् भाषा अस्ति।।
संस्कृत सरलतमा भाषा अस्ति।
संस्कृत सर्वेनमान्या भाषा अस्ति।।
संस्कृते प्राचीनतमाः ग्रंथाः अलिखन्।
संस्कृते सर्वै वेदाः अलिखन्।।
संस्कृते महाभारतम् अलिखन्।

संस्कृते रामायणम् अलिखत्।।
संस्कृते मम् प्रियोबिषयास्ति।
संस्कृते एव मम् जीवनमास्ति II

नाम-अनमोल कौल

कक्षा-आठवीं (स)

एषा मम् धन्या माता

एषा मम् धन्या माता ।
एषा मम् धन्या माता।। ध्रुवपदम्।
या मां प्रातः शय्यातः
जागरयति सम्बोधनतः।
हरस्मिरणं या कारयति।
आलस्यं मम् नाश्यति।। एषा मम् ...।
कुरु दत्तं ग्रहकार्यम् त्वम्,
कुरु सुत! पाठभ्यासं त्वम्।
आदेश ददती एवम्
योजयते कार्ये नित्यम्।। एषा मम् ...।
मधुरं दुग्धं ददाति या
स्वादु फलं च ददाति या।
यच्छति महां मिष्टान्नम्
यच्दति महां लवणत्राम्।। एषा मम् ...।
कार्य सम्यक् न करोमि यदा,
अपरांध विदधामि यदा।
कलहंकुर्वन् रोदिमि यदा
तदा भ्रंश मां तर्जयति या।। एषा मम् ...।

आदर्श कोहली

छठी इ

“शिक्षाप्रद संस्कृत श्लोक - संकलन”

 गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥
अर्थात् : गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शंकर है; गुरु ही साक्षात परमब्रह्म हैं; ऐसे गुरु को मैं नमन करता हूँ।

 विद्या मित्रं प्रवासेषु, भार्या मित्रं गृहेषु च |
व्याधितस्यौषधं मित्रं, धर्मो मित्रं मृतस्य च ||

अर्थात् : ज्ञान यात्रा में, पत्नी घर में, औषध रोगी का तथा धर्म मृतक का (सबसे बड़ा) मित्र होता है |

 अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् |
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् |

अर्थात् : यह मेरा है,यह उसका है ; ऐसी सोच संकुचित चित्त (मन) वोले व्यक्तियों की होती है; इसके विपरीत उदारचरित (बड़े दिल) वाले लोगों के लिए तो यह सम्पूर्ण धरती ही एक परिवार जैसी होती है |

 चन्दनं शीतलं लोके, चन्दनादपि चन्द्रमाः |
चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसंगतिः ||

अर्थात् : संसार में चन्दन को शीतल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा चन्दन से भी शीतल होता है | अच्छे मित्रों का साथ चन्द्र और चन्दन दोनों की तुलना में अधिक शीतलता देने वाला होता है |

 पुस्तकस्था तु या विद्या, परहस्तगतं च धनम् |
कार्यकाले समुत्तपन्ने न सा विद्या न तद् धनम् ||

व्यर्थः

तेल विना दीपकः व्यर्थः
सत्कर्म विना धर्मः व्यर्थ:
जलं विना मेघाः व्यर्थः

दक्षिणां विना यज्ञ: व्यर्थः
श्रद्धा विना भक्तिः व्यर्थ:
सैनिकः विना सीमासुरक्षा व्यर्थः
जलं विना नदी व्यर्थः
गुणम् विना प्राणी व्यर्थः
साहसं विना अस्त्रं व्यर्थः
हरिभक्तिं विना जीवनं व्यर्थम्

इशानवी शर्मा
अष्टमी ‘ड’

अर्थात् : पुस्तक में रखी विद्या तथा दूसरे के हाथ में गया धन–ये दोनों ही ज़रूरत के समय हमारे किसी भी काम नहीं आया करते |

 विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ॥

अर्थात्: विद्या यानि ज्ञान हमें विनम्रता प्रादान करता है, विनम्रता से योग्यता आती है और योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमे सुख मिलता है|

 सुखार्थिनः कुतोविद्या नास्ति विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ॥

अर्थात् : सुख चाहने वाले यानि मेहनत से जी चुराने वालों को विद्या कहाँ मिल सकती है और विद्यार्थी को सुख यानि आराम नहीं मिल सकता | सुख की चाहत रखने वाले को विद्या का और विद्या पाने वाले को सुख का त्याग कर देना चाहिए|

नाम - आर्यन

कक्षा - 6 'ब'

'माँ'

माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करुणा-मम् तायाः त्वम् मूर्ति ,
न कोअपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।
तव चरणयोः मम् जीवनम् अस्ति,
'माँ' शब्दस्य महिमा अपार,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार।

उर्वी

आठवीं-ब

‘क: किम् वदति’

काकः कुरते कांव कांव
वदति विडालः म्यांव म्यांव।
पिकः करोति कुहू कुहू
बुक्कति कुक्कुरः भौं भौं भौं।।

चटका रावं कुरते चीं चीं
वदति कपोतः गुटर-गुटर गूं
रौति रासभः दींचू।।

ताथै ताथै कुरते तबला
टक्का कुरूते धम धम।
जय जय जय है भारत माता
वयं वदामः जयशब्दम्।।

नाम -चिरोश्री मण्डल
कक्षा-7 'ड'

‘वृक्षा:’

श्रूयताम् सर्वे वृक्ष: पुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षा: रोपणम्।
वृक्षस्य अस्ति सुन्दरम् याति मूलंबहुदूरम्।।
मूलेपि अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,
काष्ठं कठिनं भवति ईधनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरित द्रव्यम्,
अतोहि अस्ति पर्णम् हरितम्।।
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
सर्वेहि कुर्वन्तु तद् संवर्धनम्।।

नंदिका
8th ड

'जलम्'

जलम् एव जीवनम् इति उक्त्यनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते। जीवनाय जलम् आवश्यकं वर्तते। पृथिव्याः जीवानां कृते जलम् आवश्यकंतत्वम् अस्ति, जलम् अस्माकं सौभाग्यम् अस्ति यत् पृथिवी जलीयः ग्रहः वर्तते। जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते। अन्यत्र कुत्रापि जलं नास्ति। पृथिव्यां जल पर्याप्तम् अस्ति। अतः पृथिवी नीलग्रहः इति उच्यते। जलं निरन्तरं स्वरुपं परिवर्तते। सूर्यस्य तापेन वाष्पस्वरुपं, संघननीकरणे मेघस्वरूपं, वर्षा माध्यमेन जलस्वरूपं धरती, जलंमहासागरेषु, वायुमण्डले, पृथिव्यां च परिभ्रमति। जलस्य तत् परिभ्रणम् जलचक्रम् कथ्यते I

संतोषी शर्मा

छठी 'ई'

समयः

समयः मूल्यवान् अस्ति।
समयः गतिवान् अस्ति।
समयः परिवर्तनशीलः अस्ति।
समयः बलवान् अस्ति।
समयः शक्तिमान् अस्ति।
किंतु,
सः पुणयवान्
सः बुद्धिमान्
सः विचारवान्
सः भाग्यवान्
सः धनवान्
सः विवेकवान् भवति।
यद्
समये सर्व करोति
यतः
गतः समयः पुनः न आयाति
समयः कश्चित् प्रतिक्षां न करोति
समयः चक्रवत् परिवर्तनशीलः
समयः कदापि हस्तनेन् न गृहयते।

सुकन्या मनना

कक्षा-8 'ब'

‘कः किम्कर्त्तुम्नशक्तः’

अन्धः किमपि न द्रष्टुम् शक्तः
पंगुः क्वापि न चलितुम् शक्तः।

मूकः किमपि न वक्तुम् शक्तः
बधिरः श्रोतुम् भवत्यशक्तः।।

मूढः बोद्धूम् न भवति शक्तः
न चापि भीरुः योद्धुम् शक्तः।

शयने रोगी भावत्यशक्तः
दीनः किमपि न दातुम् शक्तः।।

वृद्धः न भारं वोढुम् शक्तः
ईर्ष्युः कमपि न सोढुम् शक्तः।

परी

8th ब

‘एहि एहि वीर रे’

एहि एहि वीर रे
वीरतां विधेहि रे
पदं हदं निधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवनं प्रदेहि रे।।

त्वं हि मार्गदर्शकः
त्वं हि देशरक्षकः
त्वं हि शत्रुनाशकः
कालनाग तक्षकः।।

साहसी सदा भवेः
वीरतां सदा भजेः
भारतीय-संस्कृतिं
मानसे सदा धरेः।।

पदं पदं मिलच्चलेत्

सोत्साहं मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वदा जयो भवेत।।

परी शर्मा
8th'ब'

'श्लोक'

1.आलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम् |
अधनस्य कुतो मित्रम्, अमित्रस्य कुतो सुखम् ‖

अर्थात् : आलसी को विद्या कहाँ, अनपढ़/मूर्ख को धन कहाँ, निर्धन को मित्र कहाँ और अमित्र को सुख कहाँ |

2.आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः|
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ‖

अर्थात् : मनुष्यों के शरीर में रहने वाला आलस्य ही (उनका) सबसे बड़ा शत्रु होता है |परिश्रम जैसा दूसरा (हमारा)कोई अन्य मित्र नहीं होता क्योंकि परिश्रम करने वाला कभी दुखी नहीं होता |

पलक सिंह
छठी इ

‘जय भारत जननी’

भारतमाता बहुजन गीता
निर्मलगंगा - जलपूता।

शिरसि विराजिन -हिमगिरि मुकुटम्
चरण हिन्दूमहोधि - सलिलम्।
जनस्य - लता - तरू -वसनम्
जयभारत जननी, जयभारतजननी।।

ऋषिवरघोषित - मन्त्र -पुलकिता
कविवर- गुम्फित - पावन - चरिता।
धीर - वीर -नृप - शौर्य - पालिका
जयभारत जननी, जयभारत जननी।।

मम् मन सिसदा तव पद सरलम्
संस्कृत - संस्कृत - सतत -चिन्तनम्
भाव - राग - लय - ताल -मेलनम्
जयभारत जननी, जयभारत जननी।।

रिया
छठी 'ई'

Staff List (Kendriya Vidyalaya No.1 Udhampur)

S.No	Name	Designation
1	Sh. Sumit Mehra	Principal
2	Sh. U.C Meshram	Vice-Principal

PGTs (Regular)

1	Mr. Vikramaditya	PGT (Physics)
2	Ms.Najot Kaur	PGT(Physics)
3	Mr.Sharad Paliwal	PGT (CS)
4	Ms.Neha Yadav	PGT (CS)
5	Mr. Veerji Koul	PGT(Maths)
6	Mr. Manoj Kumar	PGT(Maths)
7	Mr.Sanjay Kumar	PGT (Hindi)
8	Mrs.Amita Arora	PGT (Comm)
9	Mrs.Shreshtha Bhatia	PGT (Comm)
10	Mrs. Sarita Bhardwaj	PGT (Chem)
11	Mrs Rakhee Singh	PGT (Eco)
12	Mrs.Madhu Bala	PGT(Eng)
13	Ms. Seeniamol M V	PGT(Bio)
14	Mr.Sanjay Ratnoo	PGT(Hist.)
15	Mr. Ramphal	PGT(Eng.)

TGTs(Regular)

1	Sh. Sanjay Kohli	TGT (Hindi)
2	Ms. Shaveta	TGT (Hindi)
3	Ms. Pooja	TGT (Hindi)
4	Mr Rajesh Kumar	TGT(Hindi)
5	Sh. Lakhbir Singh	TGT (Maths)
6	Mr. Ravi Kant	TGT (Maths)
7	Mr. Vinod Kumar	TGT (Maths)
8	Smt.Renuka Rana	TGT (Maths)
9	Mrs. Suchitra	TGT (Eng)
10	Smt. Anju	TGT(Eng.)
11	Ms Sudipta Bhattacharya	TGT(Eng)
12	Ms Seema Hans	TGT(Eng.)
13	Ms. Sukhwinder Bali	TGT (S.st.)
14	Ms Sunita Meena	TGT(S.St.)
15	Ms Pooja Devi	TGT(S.St.)
16	Ms Jyoti	TGT(S.St.)
17	Ms. Rosy Dhiman	TGT (Sci)
18	Mr. Surinder Kumar	TGT (Sc.)

19	Mrs.Renu Yadav	TGT(Sc.)
20	Ms Jyoti Gupta	TGT(Sc.)
21	Ms Poonam yadav	TGT(Skt.)
22	Ms Seema Rani	TGT(Skt.)

Misc (Regular)

1	Mr. Rajiv Singh	TGT (PET)
2	Raman Kumar	Librarian
3	Akriti Singh	WET

PRTs (Regular)

1	Ms. Meenakshi Sharma	PRT
2	Ms. Sudesh Kohli	PRT
3	Ms. Navjeet Kaur	PRT
4	Ms. Niharika Kukreti	PRT
5	Ms. Preeti Chandolia	PRT
6	Mrs. Lalita	PRT
7	Mrs. Sanju Singh	PRT
8	Mrs. Lata Yadav	PRT
9	Ms. Alisha Bataan	PRT
10	Mrs. Geeta Rani	PRT
11	Ms. Sakshi Sharma	PRT
12	Ms. Manjeet	PRT
13	Mr Ravi Kant	PRT
14	Smt Anita Raj	PRT
15	Miss Nupur Bhardwaj	PRT
16	Ms shilpi kumari Goyal	PRT
17	Ms Ruchika Gautam	PRT
18	Smt.Priti	PRT
19	Smt.Bhawan Aggarwal	PRT
20	Mrs.Aarti	PRT
21	Mrs. Sinky Kumari	Music Tr

Office Staff

1	Mr. Abdul Majid	(SSA)
2	Mr. Govind Ram	(SSA)
3	Mr. Shanker Singh	(JSA)

Lab Attendant

1	Mr. Yash Paul Sharma	Lab-Att
2	Sh. Ram Lal	Lab-Att
3	Mr. Subash Chander	Lab-Att

Sub-Staff

1	Sh. Sansar Chand	Sub-Staff
2	Smt. Sharda Devi	Sub-Staff
3	Sh.Rasal Singh	Sub-Staff
4	Sh.Yash Paul Sharma	Sub-Staff
5	Sh. Satish Pal	Sub-Staff